राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार, 10 फरवरी 2026
वर्ष 14,अंक 291, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

खेत विवाद पर किसान पर दबंगों का हमला लाठी डंडों से पीटा, सिर में आई गंभीर चोटे..03

बलिया में फिल्म के नाम को लेकर विरोध, 'घूसखोरी पंडित' को बैन करने की उठी मांग..04

नेपाल हिंसा में पत्नी खोने वाले शख्स ने मांगा 100 करोड़ का मुआवजा... दिल्ली हाई कोर्ट बोला- हम यह तय नहीं कर सकते

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को नेपाल में पिछले साल हिंसक Gen- Z विरोध प्रदर्शनों के दौरान अपनी पत्नी की मौत के लिए 100 करोड़ के मुआवजे की मांग करने वाले एक शख्स की याचिका पर सुनवाई करने के अपने अधिकार क्षेत्र पर शक जताया. जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने मामले की सुनवाई की और सवाल किया कि याचिका में मांगी गई राहत पर कोर्ट कैसे दे सकता है, क्योंकि यह घटना नेपाल में हुई थी. कोर्ट ने कहा कि हम यह सब कैसे तय कर सकते हैं? नेपाल में कुछ होता है, होटल ने आपसे कुछ करने के लिए कहा. हम ये कैसे तय कर सकते हैं? दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले पर सुनवाई 26 फरवरी तक के लिए टाल दी. दरअसल, यह याचिका रामबीर सिंह गोला नाम के एक शख्स ने दायर की थी, जिसमें भारत सरकार और हयात होटल से मुआवजा और सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की थी. नेपाल में हुए Gen- Z के विरोध प्रदर्शन के दौरान रामबीर सिंह गोला की पत्नी, राजेश गोला की मौत काठमांडू के हयात रीजेंसी होटल के अंदर फंसने के कारण हो गई थी. दंपति 7 सितंबर, 2025 को पशुपतिनाथ मंदिर की तीर्थ यात्रा के लिए नेपाल गए थे. आरोपों के मुताबिक, काठमांडू में हिंसा बढ़ने पर, होटल ने कथित तौर पर मेहमानों को

सुरक्षा का भरोसा दिया और चेकआउट करने से मना कर दिया, और उन्हें ऊपर की मंज़िल पर जाने के लिए मना किया।

Gen- Z हिंसा में हुई थी पत्नी की मौत

9 सितंबर को इमरजेंसी में मदद पूरी तरह से फेल होने के बीच भीड़ ने कथित तौर पर होटल में आग लगा दी. रामबीर गोला का आरोप है कि भारतीय अधिकारियों को मदद के लिए कॉल करने के बावजूद, कोई मदद नहीं आई और भागने की कोशिश में गिरने से उनकी पत्नी की मौत हो गई. गोला ने अपनी याचिका में कहा कि हिंसक भीड़ के हमले और आग के दौरान काठमांडू में भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय की पूरी तरह से निष्क्रियता का मामला था, जबकि बार-बार मदद के लिए फोन किए गए थे।

याचिका ने क्या-क्या कहा गया है?

याचिका के मुताबिक, यह मामला अपने नागरिकों की रक्षा करने की राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का उल्लंघन है. याचिका में आगे कहा गया कि हयात रीजेंसी काठमांडू का व्यवहार, झूठे सुरक्षा आश्वासन देना, आपातकालीन प्रोटोकॉल की कमी, और मेहमानों को छोड़ना, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(11) और 2(47) के तहत सेवा में घोर कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि याचिका में संवैधानिक महत्व के मुद्दे उठाए गए हैं, जिसमें विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों को उपलब्ध अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) सुरक्षा भी शामिल है. वकील ने कहा कि कुछ हिस्से ऐसे हैं जो अनुच्छेद 21 के अधिकारों का पूरी तरह से उल्लंघन कर रहे हैं. वियना कन्वेंशन कहता है कि (नागरिकों की) सुरक्षा सुनिश्चित करना दूतावास का काम है. कोर्ट ने यह भी दर्ज किया कि याचिकाकर्ता ने हयात रीजेंसी को रिट याचिका में एक पक्ष बनाया था. कोर्ट ने टिप्पणी की कि आपको अपनी अर्जी में बदलाव करना होगा. मौजूदा रूप में, मैं ऐसा नहीं कर सकता. इसके बाद याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि वह अपनी अर्जी कुछ खास प्रार्थनाओं तक ही सीमित रखेंगे और जहां तक मुआवजे का सवाल है, एक सिविल केस फाइल किया जा सकता है।

याचिकाकर्ता ने भारतीय दूतावास पर उठाए सवाल

याचिकाकर्ता का कहना है कि हिंसक भीड़ के हमले और आग के दौरान, बार-बार मदद की अपील के बावजूद, काठमांडू में भारतीय दूतावास और विदेश मंत्रालय की पूरी तरह से निष्क्रियता दिखाई. मुआवजे के अलावा, गोला ने हयात रीजेंसी काठमांडू में घटनाओं के क्रम और होटल में फंसे लोगों की मदद करने में भारत सरकार की कथित विफलता की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय न्यायिक आयोग गठित करने के निर्देश मांगे हैं. याचिका में संवेदनशील देशों में भारतीय पर्यटकों के पंजीकरण और ट्रैकिंग को अनिवार्य करने, दोषी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई, और घटना से संबंधित सभी सबूतों को सुरक्षित रखने के निर्देश भी मांगे गए हैं।

अंकिता भंडारी हत्या: सीएम धामी के इस्तीफ़े, सीबीआई जांच में उन्हें शामिल करने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- देहरादून में रविवार (8 फरवरी) को हुई एक महापंचायत ने अंकिता भंडारी हत्याकांड के कथित गलत तरीके से निपटारे को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पद से हटाने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया. मालूम हो कि 19 वर्षीय अंकिता भंडारी पौड़ी गढ़वाल के एक रिजॉर्ट में काम करती थीं और 18 सितंबर 2022 में उनकी इसलिए हत्या कर दी गई थी, क्योंकि कथित तौर पर उन्होंने किसी वीआईपी मेहमान को 'विशेष सेवाएं' (सेक्स वर्क के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द) देने से इनकार कर दिया था. रिजॉर्ट के मालिक और भाजपा के निष्कासित नेता विनोद आर्य के बेटे पुलकित आर्य और उनके स्टाफ सदस्यों- सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को अंकिता की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. जनवरी में धामी ने इस मामले में एक वीआईपी की संलिप्तता के आरोपों के चलते सीबीआई जांच के आदेश दिए थे - कहा जा रहा है कि वह वीआईपी भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत कुमार गौतम हैं।

महापंचायत

अंकिता न्याय यात्रा संयुक्त संघर्ष मंच द्वारा बुलाई गई इस महापंचायत में 40 संगठनों से जुड़े 500 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया. इंडिया गठबंधन की राजनीतिक

पार्टियों ने भी इस सभा को अपना समर्थन दिया. महापंचायत में पास किए गए प्रस्तावों में धामी को हटाने और पिछले महीने आदेश दी गई सीबीआई जांच में उन्हें शामिल करने की मांग प्रमुख रही. महापंचायत के जरिए राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी भेजा गया. महापंचायत ने पद्म भूषण से सम्मानित अनिल जोशी द्वारा दायर उस अलग एफआईआर को रद्द करने की भी मांग की, जिसमें मामले में कथित तौर पर शामिल वीआईपी के खिलाफ जांच की मांग की गई थी. पर्यावरणविद् अनिल जोशी, जो 'हिमालयन एनवायरनमेंटल स्टडीज़ एंड कंजरवेशन ऑर्गनाइज़ेशन' चलाते हैं, ने इस साल 9 जनवरी को इस संबंध में एफआईआर दर्ज कराई थी - उसी दिन जब सीबीआई जांच की सिफारिश की गई थी. इसे मामले में कथित तौर पर शामिल वीआईपी को बचाने की कोशिश के तौर पर देखा गया. वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने जोशी की एफआईआर के पीछे के मकसद पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार-प्रायोजित किसी व्यक्ति के आधार पर होने वाली जांच निष्पक्ष नहीं हो सकती।

रविवार को पारित प्रस्तावों में यह भी मांग की गई कि सीबीआई जांच जोशी की एफआईआर के आधार पर नहीं की जानी चाहिए. अंकिता के पिता वीरेंद्र भंडारी ने कहा, 'मैंने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन देकर सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज की निगरानी में जांच कराने की मांग की थी. लेकिन डॉ. अनिल जोशी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर दी गई, जिनसे मेरा कोई संबंध नहीं है.' भंडारी ने मामले में कॉल रिकॉर्ड की भी जांच कराने की मांग की. उन्होंने कहा, 'अगर मेरी बेटी नहीं झुकी, तो मैं कैसे झुक सकता हूं?' कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना ने नई एफआईआर पर सवाल उठाते हुए कहा था, 'इस नई एफआईआर की कोई जरूरत नहीं थी, क्योंकि अंकिता भंडारी मामला उस मूल एफआईआर के तहत चलता है, जो शुरू में लक्ष्मणझूला थाने में दर्ज की गई थी. उसी एफआईआर की जांच हुई, फिर चार्जशीट दाखिल हुई और कोटद्वार की सेशंस कोर्ट में मुकदमा चला, जिसके बाद तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया गया.' ज्ञात हो कि मई 2025 में कोटद्वार की एक जिला अदालत ने रिसॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और उनके दो सहायकों सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को दोषी ठहराया था।

संक्षिप्त ख़बरें

बुलडोजर की कार्रवाई से नाराज मकान मालिक ने घर में लगाई आग, चौड़ीकरण के तहत 21 मकान किए जा रहे हैं ध्वस्त

वाराणसी- उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के दालमंडी में सोमवार की दोपहर उस समय हड़कंप मच गया जब प्रशासन ने ध्वस्तीकरण के दौरान दबाव बनाया तो भवन स्वामी ने आग लगा दी। इसके बाद घटनास्थल पर हड़कंप मच गया। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने मौके पर नारेबाजी शुरू कर दी और प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने 'वापस जाओ, वापस जाओ' के नारे लगाए, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। नारेबाजी की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सख्त हो गया। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को फटकार लगाई और उन्हें वहां से खदेड़ दिया। पुलिस की सख्ती के बाद क्षेत्र में स्थिति को नियंत्रण में लिया गया, हालांकि कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

दरअसल, दालमंडी में प्रशासन द्वारा कुल 21 मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। इसी कार्रवाई के दौरान एक युवक ने कथित तौर पर विरोध स्वरूप अपने घर में आग लगा ली। आग लगने की घटना से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई, हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि आग लगाने वाले युवक की तलाश की जा रही है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। घटना के बाद दालमंडी क्षेत्र में पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए चेतावनी दी है कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि वाराणसी के दालमंडी में चौड़ीकरण के तहत 21 मकानों जिला प्रशासन के द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का नोटिस जारी किया गया था। उसके बाद बुलडोजर की कार्रवाई की जा रही है।

बस्ती से गायब हुआ था दारोगा, 4 दिन बाद अयोध्या की सरयू नदी में मिली लाश... रहस्यमयी मौत पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से चार दिन पहले रहस्यमयी ढंग से लापता हुए दरोगा अजय गौड़ का अंततः दुखद अंत हो गया. सोमवार को उनका शव अयोध्या जिले के कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत तिहुरा माझा में सरयू नदी (घाघरा) के जलस्तर के पास बरामद हुआ. जैसे ही शव की शिनाख्त लापता सब-इंस्पेक्टर के रूप में हुई, पूरी पुलिस महकमे और उनके परिवार में कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं. दरअसल, परशुरामपुर थाने में तैनात एसआई अजय गौड़ 5 फरवरी को अचानक लापता हो गए थे. उनकी लावारिस कार बस्ती के अमहट घाट चौकी के पास कुआनो नदी के किनारे खड़ी मिली थी. गाड़ी के अंदर से कुछ सामान बरामद हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने कुआनो नदी में गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया था, लेकिन वहां सफलता नहीं मिली।

अयोध्या कैसे पहुंच गया शव

जांच के दौरान पुलिस को बस्ती मुख्यालय के कुछ सीसीटीवी फुटेज मिले थे, जिसमें दरोगा की मौजूदगी की पुष्टि हुई

थी. सवाल ये उठता है कि अगर वह मुख्यालय तक सुरक्षित थे और उनकी गाड़ी कुआनो नदी (बस्ती) के किनारे मिली, तो वो अयोध्या की सरयू नदी तक कैसे पहुंचे? क्या उन्हें वहां ले जाया गया या वह स्वयं वहां तक गए, यह जांच का सबसे बड़ा विषय बना हुआ है. अयोध्या कोतवाल ने जैसे ही शव मिलने की सूचना बस्ती पुलिस को दी, आला अधिकारी मौके पर रवाना हो गए. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पोस्टमार्टम के बाद खुलेगा राज

पुलिस अफसरों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि मौत पानी में डूबने से हुई है या इसके पीछे कोई और वजह है. मृतक दरोगा के परिजनों का आरोप है कि अजय गौड़ जैसे कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के साथ कुछ अनहोनी हुई है. गायब होने से लेकर शव मिलने तक की कड़ियाँ आपस में नहीं मिल रही हैं. पुलिस महकमे के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती है कि आखिर उनके एक होनहार साथी की जान किन परिस्थितियों में गई. एडिशनल एसपी श्यामाकांत ने बताया कि दरोगा अजय गौड़ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. हम सीसीटीवी और सर्विलांस की मदद से कड़ियों को जोड़ रहे हैं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

दारोगा के भाई ने खोला मोर्चा

इस घटना क्रम में स्थानीय पुलिस की लापरवाही को लेकर अब मृतक दरोगा के भाई अरुण कुमार गौड़ एडीएम झांसी ने मोर्चा खोल दिया है. एसपी और डीआईजी पर गंभीर आरोप लगाते हुए एडीएम खुद अब धरने पर बैठ गए हैं. पोस्टमार्टम हाउस के बाहर उन्हें मनाने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं. जबकि एडीएम का आरोप है कि उनके भाई की खोजबीन में ढिलाई बरती गई और लाश मिलने के बाद एसपी और डीआईजी अपने मृत दरोगा को देखने तक नहीं आए. उन्होंने मांग की है कि उनके भाई ने सुसाइड नहीं किया. बल्कि उनकी हत्या हुई है और इस मामले में एफआईआर दर्ज होनी चाहिए।

उन्नाव केस: कुलदीप सेंगर को SC से राहत नहीं, दिल्ली HC को 3 महीने में फैसले का आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन्नाव मामले में एक महत्वपूर्ण आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट से कहा है कि बीजेपी के पूर्व नेता कुलदीप सिंह सेंगर की उस अपील पर जल्दी सुनवाई की जाए, जिसमें उन्होंने अपनी सजा को चुनौती दी है. शीर्ष अदालत ने कहा कि इस पर तीन महीने के भीतर फैसला सुनाया जाना चाहिए. दरअसल, सेंगर ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें 10 साल की जेल की सजा से राहत देने से मना कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दखल देने से इनकार कर दिया है, यानी उन्हें फिलहाल जेल में ही रहना होगा. कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अगर पीड़ित परिवार ने भी कोई अपील दायर की है, तो उस पर और सेंगर की याचिका पर हाईकोर्ट एक साथ सुनवाई करे. यह मामला मुख्य रूप से उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की पुलिस हिरासत में हुई मौत से जुड़ा है, जिसमें सेंगर को दोषी ठहराया गया है।

'मीडिया ट्रायल' को बर्दाश्त नहीं करेंगे- CJI

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे अदालत के बाहर चल रहे 'मीडिया ट्रायल' को बर्दाश्त नहीं करेंगे. सीजेआई ने

वकील को मीडिया में बयानबाजी न करने की हिदायत की. निचली अदालत ने 13 मार्च 2020 को कुलदीप सिंह सेंगर को 10 साल की जेल और 10 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी. अदालत ने इसे एक गंभीर अपराध माना था क्योंकि पीड़िता के पिता, जो परिवार के इकलौते कमाने वाले थे, की हत्या कर दी गई थी. सेंगर ने 2017 में एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया था।

पीड़िता के पिता की पुलिस हिरासत में हुई थी मौत

इसके बाद, सेंगर के प्रभाव में आकर पुलिस ने पीड़िता के पिता को अवैध हथियार रखने के झूठे आरोप में गिरफ्तार किया. पुलिस की बेरहमी और पिटाई के कारण 9 अप्रैल 2018 को हिरासत में ही उनकी मौत हो गई थी. सुप्रीम कोर्ट ने 23 दिसंबर 2025 को सेंगर की सजा दुष्कर्म मामले में उसकी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली उसकी अपील के लंबित रहने तक निलंबित कर दी थी. वहीं, शीर्ष अदालत ने 29 दिसंबर को निलंबन पर रोक लगा दी।

जमीन रजिस्ट्री को लेकर मारपीट

तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के ग्राम गडिया में जमीन की रजिस्ट्री को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम गडिया निवासी कृष्णपाल पुत्र प्रताप यादव ने लिखित शिकायत में बताया कि 6 फरवरी 2026 की रात करीब 11 बजे उसके घर के बाहर गांव के ही महेंद्र, दीपक (दोनों पुत्र ठाकर दास यादव) और प्रेम सिंह पुत्र प्रीतम लाल यादव पहुंचे और उसे जमीन की रजिस्ट्री करने का दबाव बनाने लगे। पीड़ित द्वारा मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट की गई, जिससे उसे चोटें आईं। शोर सुनकर परिजन बाहर आए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। तहरीर के आधार पर थाना बार पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ धारा 115(2), 351(3) और 352 बीएनएस के तहत मामला पंजीकृत किया है।

कानपुर में फर्जी GST गिरोह का भंडाफोड़...क्राइम ब्रांच ने किया 2.66 करोड़ टैक्स चोरी का खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के कानपुर पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच के हाथ फर्जी जीएसटी गिरोह लगा है. यह गिरोह जाली दस्तावेजों के आधार पर फर्जी और अस्तित्व विहीन फर्म बनाकर जीएसटी रजिस्ट्रेशन नंबर हासिल कर लेता था. इसके बाद बगैर किसी माल की खरीद फरोख्त के ही इनवॉइस, ई वे बिल बनाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट का दुरुपयोग कर सरकारी राजस्व को चूना लगा रहा था. कानपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी GST फर्म बनाकर टैक्स चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है. पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा फर्जी त्रस्ज्ञ फर्मों के माध्यम से बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का सफल अनावरण किया. जांच में सामने आया कि आरोपी फर्जी व अस्तित्वहीन फर्मों का निर्माण कर, कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर GST पंजीकरण कराते थे. बिना किसी वास्तविक माल की खरीद-फरोख्त के फर्जी टैक्स इनवॉइस व ई-वे

बिल बनाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का अवैध लाभ उठाते थे, जिससे सरकारी राजस्व को भारी क्षति पहुंचाई गई. राज्य कर विभाग से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना कल्याणपुर में गंभीर मामला पंजीकृत किया गया. जांच के दौरान यह तथ्य स्थापित हुआ कि अपूर्वा ट्रेडिंग कंपनी नामक फर्म पूरी तरह बोगस थी, जिसके पते पर कोई व्यावसायिक गतिविधि नहीं पाई गई।

पुलिस ने किया खुलासा

प्रारंभिक जांच में वर्ष 2019-20 के दौरान लगभग 2.54 करोड़ टैक्स चोरी एवं 12.71 लाख पेनाल्टी, कुल 2.66 करोड़ से अधिक की आर्थिक अनियमितता का खुलासा हुआ. जिसके आधार पर कानपुर क्राइम ब्रांच ने गिरोह का सरगना व उसका एक साथी अरेस्ट कर लिया है. बोगस कंपनियों के जरिए सरकार को यह लोग चूना लगा रहे थे. डीसीपी क्राइम श्रवण कुमार सिंह ने बताया कानपुर से लेकर यूपी तक कई जिलों में फर्जी जीएसटी गिरोह सरकार से करोड़ों रुपए की ठगी को अनजाम दे रहा था।

आरोपियों के पास से कई दस्तावेज बरामद

कल्याणपुर थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद इस मामले की जांच जब क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर की गई तो क्राइम ब्रांच की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए. कानपुर की क्राइम ब्रांच ने केस का खुलासा करते हुए दो शातिर अभियुक्त बारा आदर्श नगर के रहने वाले सीए कमल गौरव साहू और रावतपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले आज ऐतशाम हुसैन को अरेस्ट किया है. पुलिस को अन्य कई फर्मों के हम इनपुट भी मिले हैं. क्राइम ब्रांच ने आरोपियों के पास से बैंक कार्ड एंड्रॉयड व आईफोन, जीएसटी रजिस्ट्रेशन, ई वे बिल फर्जी इनवॉइस और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद करें हैं।

संभल हिंसा केस: क्या रद्द होगा अनुज चौधरी पर FIR का आदेश? इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के संभल हिंसा केस मामले में एएसपी अनुज चौधरी सहित 20 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी. उन याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई होगी. उत्तर प्रदेश सरकार एवं एएसपी अनुज चौधरी ने अलग-अलग याचिकाएं दाखिल की हैं और उनमें संभल की सीजेएम कोर्ट के 9 जनवरी को पारित आदेश को चुनौती दी गई है. कोर्ट ने अनुज चौधरी सहित 20 पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया गया था. सीजेएम चंदौसी जिला संभल द्वारा 156 (3) के तहत मुकदमा दर्ज करने के आदेश को उत्तर प्रदेश सरकार और अनुज चौधरी ने अलग-अलग याचिकाएं दायर कर चुनौती दी है. 24 नवंबर 2024 को संभल हिंसा के दौरान मोहम्मद आलम पर गोली चलाने के आरोप में सीजेएम कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है. चंदौसी संभल के तत्कालीन सीजेएम विभांशु सुधीर ने अनुज चौधरी समेत अन्य पुलिस कर्मियों पर

एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

जस्टिस समित गोपाल की सिंगल बेंच आज करेगी सुनवाई

सीजेएम के 9 जनवरी 2026 के आदेश को रद्द करने की मांग में याचिका दाखिल की गई है. सोमवार को जस्टिस समित गोपाल की सिंगल बेंच याचिकाओं पर सुनवाई करेगी. यह पूरा केस 24 नवंबर 2024 को संभल में हुई हिंसा से संबंधित है. मोहम्मद आलम नामक युवक हिंसा के दौरान गोली लगने से घायल हो गया था. पुलिस ने उसे आरोपी बनाया है. उसके बाद आलम के पिता मोहम्मद यामीन ने सीजेएम कोर्ट में अर्जी दाखिल की. यह अर्जी 156(3) के तहत दाखिल की गई. आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके बेटे पर जानबूझ कर गोली चलाई थी. इस पर संभल के सीजेएम विभांशु सुधीर ने तत्कालीन सीओ अनुज कुमार चौधरी, इंस्पेक्टर अनुज तोमर एवं अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

अनुज चौधरी पर FIR दर्ज करने के आदेश को चुनौती

अनुज चौधरी पदोन्नति कर दी गई है. वह फिलहाल फिरोजाबाद में एएसपी के पद पर हैं, जबकि आदेश देने वाले सीजेएम का भी तबादला हो गया है. वह फिलहाल सुल्तानपुर में तैनात हैं. जस्टिस समित गोपाल की सिंगल बेंच में आज इस मामले की सुनवाई होगी. इससे पहले 2 फरवरी को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अगली तारीख 9 फरवरी निश्चित की थी. यूपी सरकार की ओर से दायर याचिका में शिकायतकर्ता यामीन को प्रतिवादी बनाया गया है. दूसरी ओर, एक अन्य महत्वपूर्ण मामले में आरोपी मोहम्मद आलम को पहले ही 25 फरवरी तक के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल चुकी है. अब सभी की निगाहें आज इलाहाबाद हाईकोर्ट में को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं कि इलाहाबाद हाईकोर्ट संभल कोर्ट के एफआईआर दर्ज करने के आदेश के खिलाफ याचिका पर क्या राय देता है?

सस्ती शिक्षा की महंगी कीमत: भारतीय छात्रों की त्रासदी

[रक्तरंजित डिग्री: विदेश में पढ़ाई का भयावह चेहरा]
[विदेश भेजे बच्चे, लौटा डर: शिक्षा नीति पर कठोर सवाल]

छात्रावास की शांत गलियों में अचानक गूंजती चीखें, फर्श पर बहता खून और भय से जमी आंखें–7 फरवरी 2026 की वह रात रूस के ऊफा शहर स्थित बश्कीर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के इतिहास पर एक काले अध्याय की तरह दर्ज हो गई। एक 15 वर्षीय किशोर परिसर में घुसा, सीधे डॉर्मिट्री पहुंचा और वहां मौजूद छात्रों पर बिना चेतावनी चाकू से हमला कर दिया। जहां कुछ देर पहले तक पढ़ाई, बातचीत और आराम का माहौल था, वहां पलभर में आतंक और अफरा-तफरी फैल गई। हमले में चार भारतीय छात्रों सहित छह लोग घायल हुए, जबकि दो पुलिसकर्मी भी इसकी चपेट में आए। शांत वातावरण देखते ही देखते भय के रणक्षेत्र में बदल गया। घायल छात्र अस्पताल में जिंदगी से जंग लड़ते रहे और हजारों किलोमीटर दूर भारत में उनके परिवार सदमे और बेचैनी में डूब गए। यह घटना केवल हिंसा नहीं थी, बल्कि उन सपनों पर किया गया क्रूर प्रहार थी, जिन्हें संजोकर हजारों युवा विदेश पढ़ने निकलते हैं। अचानक गूंजती चीखों और भागते कदमों के बीच वह भयावह दृश्य सामने आया, जिसे प्रत्यक्षदर्शी शायद जीवन भर नहीं भुला पाएंगे। हमला पूरी तरह अप्रत्याशित और निर्दय था। कुछ छात्र खेल में मग्न थे, कोई घर बात कर रहा था, तो कोई परीक्षा की चर्चा में जुटा था। तभी किशोर ने चाकू निकालकर बिना चेतावनी हमला शुरू कर दिया। पलभर में अफरा-तफरी मच गई–कोई गिर पड़ा, कोई दीवार से टकराया, तो कोई घायल मित्र को संभालने में जुट गया। फर्श पर खून बहने लगा और हवा में दहशत घुल गई। चार भारतीय छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। प्रारंभिक रिपोर्टों ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी–गार्ड देर से पहुंचे और आपात इंतजाम नाकाम रहे। इस लापरवाही ने छात्रों के मन में गहरा भय भर दिया। अब वही छात्रावास, जो कभी घर जैसा लगता था, उन्हें असुरक्षित पिंजरा प्रतीत होता है।

हजारों किलोमीटर दूर भारत में बैठे माता पिता के लिए यह खबर किसी वज्रपात से कम नहीं थी। जिन हाथों ने बच्चों को आशीर्वाद देकर विदा किया था, वे अब हर पल प्रार्थना में जुड़े रहते हैं। कई परिवारों ने खेत बेचे, गहने गिरवी रखे और कर्ज लेकर बच्चों की फीस भरी थी। उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि रूस में शिक्षा सुरक्षित, सस्ती और भविष्य निर्माण का मजबूत रास्ता है। लेकिन इस हमले ने उनके विश्वास को चकनाचूर कर दिया। अब हर फोन कॉल डर पैदा करता है और हर सुबह नई चिंता लेकर आती है। माता पिता यह सोचकर कांप उठते हैं कि कहीं अगली खबर और भी दर्दनाक न हो। विदेश में पढ़ाई का सपना अब उनके लिए आशा नहीं, बल्कि अनिश्चितता और भय का प्रतीक बन गया है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस भारतीय मेडिकल छात्रों का बड़ा ठिकाना बन गया। कम फीस, आसान दाखिला और एनएमसी मान्यता ने हजारों युवाओं को आकर्षित किया। नीट की ऊंची कटऑफ और सरकारी सीटों की कमी ने उन्हें मजबूरी में विदेश भेजा। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां एमबीबीएस करने पहुंचते हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक सहयोग पर कभी गंभीर ध्यान नहीं दिया गया। नस्लीय टिप्पणियां, रैगिंग, मारपीट और संदिग्ध मौतें पहले ही चेतावनी दे रही थीं। यह चाकू हमला उसी उपेक्षा का सबसे भयावह रूप बन गया। आज कई छात्र कहते हैं कि वे पढ़ाई से ज्यादा अपनी जान की चिंता करते हैं। एफएमजीई का कम पास प्रतिशत पहले ही दबाव बढ़ा रहा था, और अब भय ने उनके मनोबल को और कमजोर कर दिया है।

इस घटना ने विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही और संवेदनहीनता की परतें एक-एक कर खोल दी हैं। छात्रावासों में सुरक्षा गार्डों की कमी, कमजोर सीसीटीवी और ढीली आपात व्यवस्था लंबे समय से खतरे की चेतावनी दे रही थीं, लेकिन उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया। डॉर्मिट्री जैसे व्यस्त और संवेदनशील स्थानों पर भी ठोस सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। यदि समय रहते निगरानी मजबूत की जाती और व्यवस्था को सख्त बनाया जाता, तो शायद यह त्रासदी टाली जा सकती थी। लेकिन लापरवाही ने हालात को भयावह बना दिया। अब साफ दिखता है कि विदेशी छात्रों को अक्सर केवल फीस का स्रोत माना जाता है। सवाल यह है–क्या इन संस्थानों के लिए छात्रों की जान की कोई अहमियत है, या वे सिर्फ रजिस्टर के आंकड़े बनकर रह गए हैं? सरकारी स्तर पर भी अब तक की प्रतिक्रिया अधिकतर औपचारिकता तक ही सीमित रही है। दूतावास ने एक्स पर बयान जारी किया, अधिकारियों को मौके पर भेजा और सहायता का भरोसा दिलाया, लेकिन इससे छात्रों के मन का डर कम नहीं हुआ। अब समय आ गया है कि कड़े और ठोस कदम उठाए जाएं। रूसी सरकार से स्पष्ट मांग होनी चाहिए कि सभी विदेशी छात्रावासों में 24×7 सुरक्षा, अतिरिक्त पुलिस बल, आधुनिक निगरानी प्रणाली और मानसिक परामर्श केंद्र अनिवार्य किए जाएं। हमले की निष्पक्ष जांच और दोषियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए। भारत सरकार को भी मजबूत हेल्पलाइन, नियमित सुरक्षा समीक्षा और व्यापक जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने होंगे। केवल आश्वासन और बयान अब भरोसा पैदा नहीं कर सकते।

यह दर्दनाक घटना भारत-रूस के शैक्षणिक संबंधों पर गहरे सवाल खड़े करती है। क्या छात्र केवल आंकड़े हैं, या उनकी सुरक्षा और सम्मान की भी कोई कीमत है? हर साल हजारों युवाओं का विदेश जाना तब तक उपलब्धि नहीं कहा जा सकता, जब वे डर और असुरक्षा में जीने को मजबूर हों। शिक्षा का उद्देश्य आत्मविश्वास और स्थिरता देना है, न कि भय और अकेलापन। आज रूस में पढ़ रहे हजारों भारतीय छात्र मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे हैं। वे लौटना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक और शैक्षणिक मजबूरियां उन्हें रोक लेती हैं। यह स्थिति हमारी शिक्षा और विदेश नीति–दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। ऊफा की घटना हमें चेतावनी देती है कि विदेश में पढ़ाई अब सिर्फ अवसर नहीं, बल्कि बड़ा जोखिम बन चुकी है। सस्ती डिग्री के पीछे छिपा खतरा अब उजागर हो चुका है। सरकार, विश्वविद्यालय, एजेंट और अभिभावकों को मिलकर व्यवस्था बदलनी होगी। छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बननी चाहिए। यदि अब भी चुप्पी रही, तो अगली खबर किसी और घर का उजाला बुझा देगी। शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह जीवन की रक्षा करे, सपनों को संवार दे और भविष्य को सुरक्षित बनाए। सुरक्षित शिक्षा ही सच्ची शिक्षा है–और यह हर छात्र का अधिकार है।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

भारत के लिए निर्गुट आर्थिक सामरिक केंद्र होने की क्षमता

भारत अधिकांश देशों का साथी, मित्र।

स्वतंत्रता के बाद भारत के परंपरागत रूप से रुस से बड़े ही प्रगाढ़ संबंध रहे हैं, जो कालांतर में लगातार सामरिक एवं आर्थिक संबंधों के चलते मजबूत होते गए हैं। वर्तमान में भारत का सबसे विश्वसनीय साथी और ट्रेड पार्टनर रूस और रूस के राष्ट्रपति पुतिन ही है। करोना काल से लेकर अब तक भारत ने रूस के साथ अरबो रुपए के व्यापार तथा सामरिक समझौते किए हैं, 2014 के बाद जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में आए हैं तब से भारत के विश्व के अनेक देशों से संबंध अत्यंत शक्तिशाली हुए और सामयिक व्यापारिक रिश्ते भी बने हैं। ताजा ताजा स्थिति में अमेरिका ने जो भारत पर अनावश्यक भारी टैरिफ लगाया था उसके विरोध में भारत ने चौतरफा कूटनीति नीति अपनाकर अमेरिका को मजबूर कर दिया है कि वह बराबरी का व्यापारिक रिश्ता बनाकर रखें अन्यथा अमेरिका भारत को खो सकता है। इसी श्रृंखला में भारत ने यूरोपीय यूनियन के साथ जो बड़ा मदर ऑफ ऑल डील्स किया है वह मील का पत्थर साबित हुआ, इसके बाद ही डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ समतुल्य टैरिफ पर व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए है। भारत और अमेरिका का यह बराबरी का संबंध आने वाले वर्षों में अत्यंत महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौता माना जाएगा। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि पिछले एक दशक में भारत ने अपनी अंतरराष्ट्रीय इमेज को बहुत ही बहुआयामी निर्मित कर लिया है। भारत क्योंकि खनिज संपदा, हाइडल प्रोजेक्ट और वित्तीय संस्थानों के कारण एक मजबूत राष्ट्र बन कर उभरा है। भारत एशिया की आर्थिक तथा सामरिक शक्ति बन चुका है। इसके अलावा भारत एक शक्तिशाली युवा देश भी है जिसके श्रमबल की गुणवत्ता के सुधार की बड़ी संभावना है ।भारतीय बैंकों में बचत की दर काफी ऊंची है और इसके अलावा मध्यमवर्गीय बचत से भारत में समृद्धि और विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा जो कि इन दिनों तीसरी जी-20 वित्त मंत्रियों तथा केंद्रीय बैंक के गवर्नर ओं की बैठक में भाग लेने के लिए गांधीनगर गुजरात आए हुए हैं उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा है कि भारत में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने क्षेत्रीय समृद्धि को बढ़ावा देने और विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने में सराहनीय कार्य किए हैं ।अजय बंगा ने कहा कि विश्व बैंक भारत के आर्थिक रूप से वृद्धि को लेकर वे काफी आशावादी हैं और भारत को इन प्रयासों में तेजी लानी होगी। उन्होंने कहा कि भारत करोना महामारी के समय पैदा हुई चुनौतियों से मजबूत बनकर उभरा है और भारत वैश्विक स्तर पर कायम आर्थिक सुस्ती के बीच बहुत अच्छे कार्य कर रहा है जिसे उसे आगे रखने में काफी मदद मिलेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर काफी सुस्ती होने के बावजूद अपने घरेलू उत्पाद की वजह से सुरक्षित है। भारत को चीन प्लस 1 रणनीति का फायदा उठाना चाहिए 3 प्लस 1 रणनीति का मतलब है कि अब दुनिया के विकसित देशों की कंपनियां अपने निर्माण केंद्र के तौर पर चीन के साथ किसी अन्य देश को भी जोड़ना चाहती है और वर्तमान समय में भारत देश ही एक संभावित विकल्प बनकर उभरा है भारत को इस रणनीति का अवसर 10 वर्षों तक नहीं खुला रहेगा यह अवसर केवल 3 से 5 वर्ष तक ही खुला रह सकता है जिसका भारत को पूरा फायदा उठाना चाहिए।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री मार्टिन वुल्फ ने तो स्पष्ट रूप से कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से दुनिया में तेजी से बढ़ती हुई एक ताकत बनकर उभर रहा है और यही संभावनाएं पश्चिमी देशों को भारत पर दांव लगाने के लिए आकर्षित कर रही है उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती जनसंख्या और उसकी बचत करने क्षमता को देखते हुए भारत आगामी एक या दो दशक में विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बन सकता है ।अर्थशास्त्री तथा टिप्पणी कार मार्टिन वुल्फ़ ने कहा की आगामी दशकों में भारत की अर्थव्यवस्था और आबादी दोनों तेजी से बढ़ेगी और इसी के दम पर भारत चीन को बराबरी की टक्कर दे सकेगा इसके अलावा भारत के पश्चिमी देशों जैसे अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया ,फ्रांस ,कनाडा, इंग्लैंड, इजराइल और खाड़ी के देशों से आर्थिक संबंध काफी मजबूत हैं। पश्चिमी देश आने वाले समय में भारत को चीन की टक्कर देने वाला देश मान रहे हैं और अपना निवेश तथा समर्थन देने की पूरी संभावना तलाश रहे हैं। भारत पश्चिमी देशों के लिए आर्थिक निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य की तरह दिखाई दे रहा है जो भारत के लिए और उसके भविष्य के लिए बड़ा सकारात्मक पक्ष होगा। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड, विश्व बैंक और तमाम अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारत देश के बैंकों का बहीखाता बेहतर हो गया है और बैंकों की जमा पूंजी भी अच्छी खासी है इसके अलावा सकल वृद्धि भी एक बार फिर से बेहतर आकार ले रही है। भारत के रणनीति कूटनीतिक तथा आर्थिक व्यवसायिक संबंध विश्व के प्रमुख देशों से बहुत ही मुकम्मल हो गए हैं जिससे भारत को पश्चिमी देशों के इन्वेस्टमेंट का बड़ा केंद्र माना जा रहा है यदि पश्चिमी देश चीन के अलावा भारत को एक इन्वेस्टमेंट का बड़ा विकल्प मानती है तो भारत को विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने से कोई नहीं रोक सकता है।

संजीव ठाकुर

मानव चेतना का उत्कर्ष- आध्यात्मिक जागरण और सामाजिक समरसता

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भौतिक संपदा की प्रचुरता के बीच मानवीय संवेदनाओं का अकाल एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। आज की महती आवश्यकता केवल सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि नहीं, बल्कि व्यक्ति को प्रबुद्ध मनुष्य, समाज को संवेदनशील इकाई और विश्व को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में रूपांतरित करने की है।मानव जीवन मात्र दैहिक क्षुधा की तृप्ति या लोलुपतापूर्ण भौतिक प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं है। मनुष्य की वास्तविक श्रेष्ठता उसकी परिष्कृत चेतना में अंतर्निहित है। यही चेतना तर्क से विवेक की ओर ले जाती है। जब यह संकीर्ण स्व की परिधि को लांघकर सर्व के कल्याण हेतु प्रवाहित होती है, तभी मानव चेतना का सच्चा उत्कर्ष प्रकट होता है।चेतना का ऊर्ध्वगमन आकस्मिक घटना नहीं, अपितु सतत स्व-साधना है। इसका प्रारंभ आत्मबोध से होता है। सुकरात के 'स्वयं को जानो' से लेकर उपनिषदों के 'तत् त्वम् असि' तक, सभी महापुरुषों ने आध्यात्मिक जागरण पर बल दिया है। यांत्रिकता का परित्याग कर जब मनुष्य अस्तित्वपरक प्रश्न करता है, तब विवेक जागृत होता है। यही विवेक जैविक दासता और आवेगों से मुक्ति देकर उद्देश्यपूर्ण जीवन प्रदान करता है।प्रगति के पथ पर मूल्यबोध महत्वपूर्ण चरण है। सत्य, करुणा, अपरिग्रह और न्याय जैसे शाश्वत मूल्य सामाजिक मेरुदंड हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन ने ठीक कहा था कि 'धर्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है और विज्ञान के बिना धर्म अंधा।' तकनीकी प्रगति और नैतिक मूल्यों का समन्वय ही विनाशकारी विकास को कल्याणकारी सभ्यता में बदल सकता है।संकीर्ण पहचानें जैसे भाषा, जाति, उग्र राष्ट्रवाद या सांप्रदायिकता आदि चेतना को कुंठित कर पृथकतावाद की ओर धकेलती हैं। विविधता में एकता का बोध चेतना को वैश्विक विस्तार देता है। भारतीय मनीषा का 'वसुधैव कुटुम्बकम्' आध्यात्मिक जागरण की पराकाष्ठा है, जहाँ परायापन समाप्त होकर ब्रह्मांड एक परिवार प्रतीत होता है।चेतना का उत्कर्ष दार्शनिक विमर्श से नहीं, निष्काम कर्मयोग से सिद्ध होता है। श्रीमद्भगवद्गीता सिखाती है कि जब व्यक्ति अपनी सामर्थ्य वंचितों के सशक्तिकरण में लगाता है, तो अहं करुणा में विलीन हो जाता है। यही व्यष्टि का समष्टि में विलय है, जो सामाजिक समरसता की नींव रखता है।सूचना विस्फोट के युग में हम डेटा से परिपूर्ण होते जा रहे हैं, किंतु प्रज्ञा से रिक्त। ऐसे समय में शिक्षा का लक्ष्य जीविकोपार्जन न होकर शील और चरित्र निर्माण होना चाहिए। स्वामी विवेकानंद के शब्दों में, 'शिक्षा मनुष्य में अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति है। 'सच्ची उन्नति अंतर्मुखी है। आंतरिक द्वंद्व शांत होकर जब प्रज्ञा प्रज्वलित होती है, तब व्यक्ति और समाज दोनों शांति एवं दिव्यता अनुभव करते हैं। चेतना का यह उत्कर्ष ही आध्यात्मिक जागरण से उपजी सामाजिक समरसता की गारंटी है।

डा मनमोहन प्रकाश

घूसखोर पंडत- चलचित्र, समाज और संवेदनशीलता का द्वंद्व

हाल ही में अभिनेता मनोज बाजपेयी की आने वाली चलचित्र कृति घूसखोर पंडतष् को लेकर देश में व्यापक विवाद खड़ा हो गया है। यह विवाद उस समय प्रारम्भ हुआ जब चार फ़रवरी दो हजार छब्बीस को इस चलचित्र की प्रारम्भिक झलक जारी की गई। इस झलक में मनोज बाजपेयी एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी अजय दीक्षित की भूमिका में दिखाई दिएए जिसे ष्पंडतष् के नाम से भी पुकारा जाता है। चलचित्र के नाम में प्रयुक्त घूसखोर पंडत शब्द ने कुछ ब्राह्मण संगठनों और धार्मिक समूहों को आहत कियाए जिसके बाद यह विषय केवल मनोरंजन जगत तक सीमित नहीं रहा बल्कि सामाजिकए सांस्कृतिक और राजनीतिक चर्चा का प्रमुख केंद्र बन गया। विरोध करने वालों का आरोप है कि इस नाम के माध्यम से ब्राह्मण समाज को भ्रष्टाचार से जोड़ने का प्रयास किया गया हैए जिससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है।

विवाद ने उस समय गंभीर रूप धारण कर लिया जब लखनऊ के हजरतगंज थाने में इस विषय में प्राथमिकी दर्ज की गई। यह प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता की धारा एक सौ तिरपन क के अंतर्गत दर्ज की गईए जिसमें विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने का आरोप लगाया गया है। इसके बाद उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों सहित अन्य राज्यों में भी विरोध प्रदर्शन प्रारम्भ हो गए। धार्मिक संतों और सामाजिक संगठनों ने इसे सांस्कृतिक अपमान बताते हुए चलचित्र पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की। कई राजनीतिक दलों ने भी इस मुद्दे को उठाया और इसे जातीय भावनाओं से जुड़ा विषय बताया। संसद में भी इस विषय पर चर्चा हुई जिससे यह स्पष्ट हो गया कि यह विवाद केवल एक चलचित्र तक सीमित नहीं रह गया बल्कि व्यापक सामाजिक विमर्श का विषय बन गया है।

इस विवाद का केंद्र चलचित्र का शीर्षक रहा है। पंडत या पंडित शब्द हिंदू धार्मिक परंपरा में विद्वान और कर्मकांडी पुजारियों के लिए सम्मानसूचक माना जाता है। कई लोग इसे ब्राह्मण समुदाय की पहचान से भी जोड़ते हैं। ऐसे में इस शब्द को घूसखोर जैसे नकारात्मक शब्द के साथ जोड़ना अनेक लोगों को अनुचित लगा। विरोध करने वालों का कहना है कि चलचित्रों में कई बार विशेष समुदायों को रूढ़ छवियों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता हैए जिससे समाज में पूर्वाग्रह बढ़ते हैं। उनका तर्क है कि रचनाकारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार हैए लेकिन साथ ही उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी का भी ध्यान रखना चाहिए। कुछ लोगों ने पूर्व में हुए धार्मिक विवादों का उदाहरण देते हुए कहा कि मनोरंजन जगत को संवेदनशील विषयों पर सावधानी बरतनी चाहिए।

दूसरी ओर चलचित्र के निर्माता नीरज पांडे ने स्पष्ट किया कि यह कथा पूर्णतः काल्पनिक है और इसका उद्देश्य किसी समुदाय को लक्ष्य बनाना नहीं है। उनका कहना है कि पंडत शब्द का प्रयोग केवल एक पात्र के उपनाम के रूप में किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि चलचित्र एक भ्रष्ट अधिकारी के आत्मबोध और परिवर्तन की कहानी प्रस्तुत करता है। उनके अनुसार किसी वर्ग या धर्म को अपमानित करना उनकी मंशा नहीं रही है। मनोज बाजपेयी ने भी सामाजिक माध्यमों के जरिए लोगों की भावनाओं का सम्मान करने की बात कही और यह स्पष्ट किया कि यह कहानी केवल एक व्यक्ति की यात्रा को दर्शाती है। विवाद बढ़ते देख निर्माताओं ने चलचित्र से जुड़े प्रचार कार्य अस्थायी रूप से रोक दिए और प्रचार सामग्री को सार्वजनिक मंचों से हटा लिया। विवाद ने कानूनी स्वरूप भी ग्रहण कर लिया है। दिल्ली उच्च न्यायालय में भी एक याचिका दायर की गई हैए जिसमें चलचित्र के प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त चलचित्र निर्माता संघ के एक घटक संगठन ने भी निर्माताओं और प्रदर्शन मंच को सूचना पत्र भेजा है। उनका दावा है कि घूसखोर पंडत शीर्षक का विधिवत पंजीकरण नहीं कराया गया। संगठन के नियमों के अनुसार किसी भी चलचित्र का शीर्षक उपयोग करने से पहले अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होता है। इस आधार पर संगठन ने चेतावनी दी है कि बिना अनुमति शीर्षक का उपयोग करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इस विवाद ने मनोरंजन उद्योग में शीर्षक चयन और पंजीकरण प्रक्रिया को लेकर भी नई चर्चा प्रारम्भ कर दी है।

यह विवाद मनोरंजन मंचों की बढ़ती लोकप्रियता और उनके सामाजिक प्रभाव को भी उजागर करता है। पारंपरिक चलचित्रों के विपरीत इन मंचों पर प्रस्तुत सामग्री पर पूर्व सेंसर व्यवस्था लागू नहीं होतीए जिससे रचनाकारों को अधिक स्वतंत्रता प्राप्त होती है। लेकिन इसी स्वतंत्रता के साथ सामाजिक दबाव भी बढ़ गया है। कई बार दर्शकों और सामाजिक समूहों की प्रतिक्रिया के कारण निर्माताओं को अपने निर्णय बदलने पड़ते हैं। इस प्रकरण ने यह प्रश्न भी उठाया है कि क्या कला को पूर्ण स्वतंत्रता मिलनी चाहिए या उसे सामाजिक संवेदनशीलताओं का पालन करना आवश्यक है। कुछ लोगों का मानना है कि यदि रचनात्मक स्वतंत्रता पर अत्यधिक नियंत्रण लगाया गया तो कला का विकास बाधित होगाए जबकि अन्य लोग कहते हैं कि समाज की विविधता और भावनाओं का सम्मान करना भी उतना ही आवश्यक है।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह विवाद महत्वपूर्ण बन गया है। विभिन्न दलों ने अपने.अपने दृष्टिकोण से प्रतिक्रिया दी है। कुछ नेताओं ने इसे जातीय अपमान बतायाए जबकि अन्य ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मामला बताया। इस विवाद ने यह भी दिखाया कि मनोरंजन जगत और राजनीति के बीच संबंध किस प्रकार सामाजिक मुद्दों को प्रभावित करते हैं। जब कोई चलचित्र या कलाकृति व्यापक चर्चा का विषय बनती हैए तब वह केवल मनोरंजन नहीं रहती बल्कि सामाजिक और राजनीतिक विमर्श का माध्यम भी बन जाती है।

सामाजिक माध्यमों पर भी इस विषय को लेकर तीखी बहस देखने को मिली। कुछ लोग चलचित्र का विरोध कर रहे हैं और प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं जबकि अन्य लोग इसे रचनात्मक स्वतंत्रता पर हमला बता रहे हैं। इस प्रकार की बहसें यह दर्शाती हैं कि आधुनिक समाज में मनोरंजन सामग्री केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गई है बल्कि वह सामाजिक पहचान और सांस्कृतिक सम्मान से भी जुड़ गई है। दर्शकों की प्रतिक्रिया अब तत्काल और व्यापक होती हैए जिससे निर्माताओं पर त्वरित निर्णय लेने का दबाव बनता है।

वर्तमान स्थिति में चलचित्र का प्रदर्शन अनिश्चित बना हुआ है। यदि निर्माता शीर्षक बदलते हैं तो संभव है कि विवाद कुछ हद तक शांत हो जाएए लेकिन कानूनी प्रक्रिया और सामाजिक प्रतिक्रियाओं के कारण स्थिति स्पष्ट होने में समय लग सकता है। यदि न्यायालय हस्तक्षेप करता है तो यह मामला भविष्य के लिए एक उदाहरण बन सकता हैए जिससे यह तय होगा कि रचनात्मक स्वतंत्रता और सामाजिक संवेदनशीलता के बीच संतुलन किस प्रकार स्थापित किया जाए। कई विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के विवाद मनोरंजन उद्योग को यह संदेश देते हैं कि विषय और शीर्षक का चयन करते समय सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक भावनाओं का गहराई से अध्ययन आवश्यक है।

यह विवाद भारतीय मनोरंजन जगत के बदलते स्वरूप को भी दर्शाता है। दर्शकों की जागरूकता बढ़ रही है और वे किसी भी सामग्री को केवल मनोरंजन के रूप में स्वीकार नहीं करते बल्कि उसमें निहित सामाजिक संदेशों का भी मूल्यांकन करते हैं। रचनाकारों के सामने चुनौती यह है कि वे रोचक और प्रभावशाली कथाएँ प्रस्तुत करेंए साथ ही सामाजिक संवेदनशीलताओं का भी सम्मान बनाए रखें। यह संतुलन ही भविष्य में मनोरंजन जगत की दिशा तय करेगा। ष्घूसखोर पंडत विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक समय में कलाए समाज और राजनीति एक दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं और किसी भी रचनात्मक कार्य का प्रभाव केवल पर्दे तक सीमित नहीं रहताए बल्कि वह समाज की सोच और संवाद को भी प्रभावित करता है।

महेन्द्र तिवारी

कृषि से समृद्धि की राह पर बिहार दुग्ध उत्पादन में नई क्रांति का निश्चय

बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद सरकार ने जिस तेज़ी और स्पष्टता के साथ काम शुरू किया है, उसने यह संकेत दे दिया है कि आने वाले वर्षों में राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छूने वाला है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और सामाजिक कल्याण के साथ-साथ अब कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों पर सरकार का विशेष फोकस साफ़ दिखाई दे रहा है। इसी क्रम में सात निश्चय-3 के तीसरे निश्चय कृषि में प्रगति, प्रदेश में समृद्धि के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य के प्रत्येक गांव में दुग्ध उत्पादन समिति के गठन का निर्णय एक दूरगामी और ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। यह फैसला न केवल पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने वाला है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में एक मजबूत आधार भी तैयार करता है। बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां आबादी का बड़ा हिस्सा खेती और पशुपालन पर निर्भर है। दुग्ध उत्पादन यहां लंबे समय से ग्रामीण आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है, लेकिन संगठित ढांचे की कमी, बाजार तक सीमित पहुंच और उचित मूल्य न मिलने के कारण पशुपालक अपनी पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस वास्तविकता को समझते हुए डेयरी क्षेत्र को संगठित करने का जो संकल्प लिया है, वह उनकी दूरदर्शी सोच का प्रमाण है। सात निश्चय-2 के तहत सभी प्रखंडों में सुधा दुग्ध बिक्री केंद्रों की स्थापना और अब सात निश्चय-3 के तहत पंचायतों और गांवों तक इस व्यवस्था का विस्तार, इस बात को दर्शाता है कि सरकार योजनाओं को केवल घोषणा तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन्हें ज़मीन पर उतारने के लिए निरंतर प्रयास करती है।

वर्तमान समय में बिहार की दुग्ध उत्पादन स्थिति पर नज़र डालें तो राज्य देश के प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों में अपनी पहचान बना चुका है। राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का दुग्ध उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और यह वृद्धि मुख्यतः छोटे और सीमांत पशुपालकों के परिश्रम का परिणाम है। इसके बावजूद, उत्पादन की तुलना में प्रसंस्करण और विपणन की व्यवस्था उतनी सशक्त नहीं थी, जितनी होनी चाहिए थी। इसी कमी को दूर करने के लिए हर गांव में दुग्ध उत्पादन समिति के गठन का निर्णय बेहद महत्वपूर्ण है। इससे दूध संग्रहण, गुणवत्ता नियंत्रण और उचित मूल्य निर्धारण की व्यवस्था मजबूत होगी और पशुपालकों को सीधे लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह स्पष्ट किया है कि राज्य के 39,073 गांवों में से 25,593 गांवों में दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन पहले ही किया जा चुका है और शेष गांवों में अगले दो वर्षों के भीतर यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। यह आंकड़ा बताता है कि सरकार केवल लक्ष्य निर्धारित नहीं कर रही, बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करने की दिशा में गंभीर है। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग को दिए गए स्पष्ट निर्देश इस बात का प्रमाण हैं कि प्रशासनिक स्तर पर भी इस योजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। सुधा दुग्ध बिक्री केंद्रों के विस्तार का निर्णय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। राज्य की 8053 पंचायतों में से फिलहाल 100 पंचायतों में ये केंद्र स्थापित हो चुके हैं और शेष 7953 पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंत तक इन्हें खोलने का लक्ष्य रखा गया है। खास बात यह है कि इन केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से जुड़ी जीविका दीदियों को आवंटित करने का निर्देश दिया गया है। यह पहल महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। महिलाएं अब केवल स्वयं सहायता समूहों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि डेयरी जैसे व्यावसायिक क्षेत्र में भी निर्णायक भूमिका निभाएंगी।

नीतीश कुमार की प्रशंसा इसलिए भी की जानी चाहिए कि उन्होंने हमेशा विकास को समावेशी दृष्टिकोण से देखा है। उनके नेतृत्व में बनी नई कैबिनेट ने भी कार्यभार संभालते ही जिस सक्रियता और समन्वय का परिचय दिया है, वह काबिले-तारीफ है। नए कैबिनेट मंत्री अपने-अपने विभागों में तेजी से फैसले ले रहे हैं और योजनाओं के क्रियान्वयन पर सख्त निगरानी रख रहे हैं। कृषि, पशुपालन और ग्रामीण विकास जैसे विभागों में जिस गति से काम हो रहा है, उसने यह भरोसा पैदा किया है कि बिहार अब केवल संभावनाओं का राज्य नहीं, बल्कि उपलब्धियों का राज्य बनने की ओर अग्रसर है।

दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में यह नई पहल राज्य की अर्थव्यवस्था को बहुआयामी लाभ पहुंचाएगी। एक ओर पशुपालकों की आय बढ़ेगी, तो दूसरी ओर गांवों में ही रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। दूध संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण और विपणन से जुड़े कामों में स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, जिससे पलायन की समस्या पर भी अंकुश लगेगा। साथ ही, राज्य में दूध और दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता बढ़ने से पोषण स्तर में सुधार होगा, जिसका सकारात्मक प्रभाव स्वास्थ्य पर भी पड़ेगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती किसी भी राज्य की समग्र प्रगति का आधार होती है। नीतीश कुमार की सरकार यह भली-भांति समझती है कि जब तक गांव मजबूत नहीं होंगे, तब तक राज्य और देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत नहीं हो सकती। इसलिए कृषि और पशुपालन को विकास की धुरी बनाकर योजनाएं बनाई जा रही हैं। दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह गांव के स्तर पर सहकारिता और सामूहिक प्रयास की भावना को भी मजबूत करेगा।

आज जब देश में आत्मनिर्भर भारत की बात हो रही है, तब बिहार की यह पहल आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ठोस कदम है। चुनाव के बाद जिस तेजी से सरकार ने काम शुरू किया है, उससे यह स्पष्ट है कि विकास अब रुकने वाला नहीं है। हर क्षेत्र में हो रहे कार्यों के बीच डेयरी उद्योग को दिया गया यह प्रोत्साहन आने वाले वर्षों में बिहार को दुग्ध उत्पादन के मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में खड़ा करेगा।

अंततः कहा जा सकता है कि सात निश्चय-3 के तहत लिया गया यह निर्णय बिहार के भविष्य को नई दिशा देने वाला है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का अनुभव, उनकी प्रतिबद्धता और नई कैबिनेट मंत्रियों की सक्रियता मिलकर राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का जो कार्य कर रही है, वह प्रशंसा के योग्य है। कृषि में प्रगति के माध्यम से प्रदेश में समृद्धि लाने का यह संकल्प अगर इसी गति से आगे बढ़ता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब बिहार विकास और समृद्धि का एक नया उदाहरण बनकर देश के सामने खड़ा होगा।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

झरेखापुर में आज लगेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

स्त्री, हृदय व हड्डी रोग की जांच व दवाएं मुफ्त, वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड भी बनेंगे

सीतापुर(ब्यूरो)। जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया एवं श्री पीतांबरा शिक्षा समिति के सौजन्य से पारा सरायं स्थित के0 पी0 सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन सोमवार 09 फरवरी को किया जाएगा। यह शिविर झरेखापुर चौराहा, बाजार में प्रातः 10 बजे से आयोजित होगा। चिकित्सा शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्त्री रोग, हृदय रोग, हड्डी रोग सहित अन्य सामान्य रोगों की निःशुल्क जांच, परामर्श एवं दवाएं प्रदान की जाएंगी। आयोजन समिति के अनुसार शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। शिविर के दौरान 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे, वहीं अन्य पात्र लाभार्थियों के लिए भी आयुष्मान कार्ड पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। आयोजकों ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराएं।

तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में दो की मौत, दो गंभीर ई-रिक्शा बचाने में हुआ हादसा, बाइकों के उड़े परखच्चे

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बांदा-बहराइच मार्ग पर शोभवापुर गांव के पास रविवार को तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सरेनी थाना क्षेत्र के रावतपुर कला गांव निवासी रामप्रसाद (32), अपने चचेरे भाई तेज बहादुर (28) पुत्र छेदीलाल तथा मंगा खेड़ा मजरे सेमरपहा गांव निवासी धुन्नर (30) पुत्र रामनाथ के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर दो सड़का की ओर जा रहे थे। इसी दौरान खीरो थाना क्षेत्र के पाहो गांव निवासी महेंद्र सिंह (55) पुत्र रामराज सिंह, गैगासों गंगा घाट पर अंतिम संस्कार में शामिल होकर बाइक से वापस लौट रहे थे। शोभवापुर गांव के पास एक ई-रिक्शा को बचाने के प्रयास में दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महेंद्र सिंह और तेज बहादुर को मृत घोषित कर दिया। रामप्रसाद और धुन्नर की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पंचायतनामा कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बेकाबू ई-रिक्शा ने पैदल जा रही महिला को मारी टक्कर, दर्दनाक मौत

लालगंज रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के पिलखा (बरुवाताली) गांव में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल सड़क पार कर रही महिला की मौत हो गई। पीछे से आ रहे बेकाबू ई-रिक्शा ने महिला को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतका की पहचान गांव निवासी भानुमती (55) पत्नी जगतपाल के रूप में हुई है। रविवार सुबह घर से पैदल काम पर जा रही थीं। तभी गांव के पास ही पीछे से तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि भानुमती सड़क पर औंधे मुंह गिर पड़ीं। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक लिखा-पढ़ी के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की असमय मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पति जगतपाल, बेटे राहुल, सुनील और बेटी लक्ष्मी का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, मामले की जांच की जा रही है।

आवश्यक सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम फजील खान पुत्र नईम खां निवासी ग्राम भुसैला पोस्ट गौरिया झाल तहसील लहरपुर जनपद सीतापुर है मेरे सभी प्रमाणपत्रों में मेरा नाम फजील खान है किन्तु त्रुटिवश ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम जलील खान अंकित हो गया है जो की गलत है। मेरा नाम फजील खान है जो कि सही है मुझे फजील खान के नाम से जाना पहचाना जाये।

जली रोटी मिलने पर गर्भवती को पीटा बेटी को बचाने आई मां को बेरहमी से पीटा, अस्पताल में भर्ती पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में खाने के दौरान जली रोटी देने जैसी मामूली बात को लेकर गर्भवती नवविवाहिता के साथ बेरहमी से मारपीट किए जाने और जिंदा जलाने की कोशिश का आरोप लगा है। मामला थाना लहरपुर क्षेत्र के मुशियाना मोहल्ले का बताया जा रहा है। पीड़िता ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के 4 लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं बताया जाता है कि पीड़िता फ़रजाना की शादी मुशियाना मोहल्ले के रहने वाले अंसार अहमद से करीब 9 महीने पहले हुई थी। वर्तमान में वह पांच महीने की गर्भवती है पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा दहेज को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। आए दिन मारपीट और मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला चलता रहा, लेकिन सामाजिक दबाव के चलते वह सब सहन करती रही। पीड़िता के अनुसार घटना देर रात की है, जब उसका पति खाना खा रहा था। इसी दौरान रोटी हल्की सी जल गई, जिस पर पति अंसार अहमद ने आपा खो दिया। आरोप है कि पति के साथ उसकी दो ननदें सीमा और रुकसाना भी मारपीट में शामिल हो गईं। तीनों ने मिलकर गर्भवती महिला को बेरहमी से पीटा और बाद में उस पर डीजल डालकर आग लगाने की कोशिश की।

किसी तरह जान बचाकर पीड़िता अपने मायके पहुंची, जहां पति ने वहां भी उसके साथ मारपीट की। विरोध करने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने पीड़िता की मां के साथ भी मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घायल मां को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पति और उसके परिजन उसे जान से मारने और जिंदा जला देने की लगातार धमकियां दे रहे हैं। मामले की शिकायत थाने में दर्ज करा दी गई है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह का कहना है कि प्रकरण की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी!!

होली मिलन समारोह के संबंध में नैनागढ़ महोत्सव समिति की बैठक सम्पन्न

चुनार, मीरजापुर। आगामी होली मिलन समारोह के संबंध में नैनागढ़ महोत्सव समिति की बैठक रविवार को नगर स्थित एक लान में संपन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। जिसमें हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन 15 मार्च को सायं 6:00 बजे साहित्य संत धाम घाट बालू घाट पर हास्य होगा। हास्य कवि सम्मेलन शीतला प्रसाद यादव, सचिव सौरभ पुजारी, व्यवस्थापक अफसर अली एवं सह व्यवस्थापक विकास कश्यप के देख रेख में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान इंजीनियर सभाजीत सिंह, अध्यक्ष दिनेश सिंह पटेल, मेजर कृपाशंकर सिंह, आदित्य गुप्ता पदयात्री, आलोक श्रीवास्तव, डॉ श्रीप्रकाश श्रीवास्तव, चंद्रहास गुप्ता अभिलाष राय, डॉ बंगलेश पाण्डेय, धीरेन्द्र सिंह , विश्वजीत, अखिलेश पाण्डेय इत्यादि उपस्थित रहे।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या दो साल पहले प्रेम विवाह के बाद फंदे से झूली, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के रामकोट कस्बे में शनिवार देर रात एक विवाहिता द्वारा कमरे के अंदर साड़ी के फंदे से लटककर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की रामकोट कस्बा निवासी धर्मेश ने करीब दो वर्ष पूर्व अंतरजातीय प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद से दोनों पति-पत्नी अपने घर पर ही रह रहे थे। देर रात धर्मेश की पत्नी सोनम (25) ने अज्ञात कारणों के चलते कमरे के अंदर साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों को शक हुआ। दरवाजा खोलने पर सोनम को फंदे से लटका देख परिवार के लोग बदहवास हो गए। घटना की सूचना मिलते ही रात में ही रामकोट थाना प्रभारी निरीक्षक पीयूष सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है फिलहाल आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस पारिवारिक स्थिति, आपसी संबंधों और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद कस्बे में चर्चा का माहौल बना हुआ है। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक पीयूष सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। विवाहिता के मायके पक्ष की ओर से अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है और यदि किसी प्रकार की तहरीर या शिकायत मिलती है तो उसके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी!!

एसबीआई लाइफ द्वारा जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

● प्रतियोगिता में टॉप छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर वितरित किए गए सर्टिफिकेट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली.. गुरबख्श गंज स्थित सीएस सी बाल विद्यालय (जेपीएस किड्स प्ले पब्लिक स्कूल) में आज एसबीआई लाइफ द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का भव्य आयोजन टॉप छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए सर्टिफिकेट वितरण किया गया विद्यालय के संरक्षक अशोक शुक्ला , प्रबन्धक मोहित शुक्ला , डायरेक्टर रोहित शुक्ला द्वारा इस आयोजन का आरंभ किया गया, जिसमें रायबरेली ब्रांच से सीनियर एसबीआई लाइफ ब्रांच मैनेजर - उपेंद्र सिंह जी तथा असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर - अजय प्रकाश सिंह जी द्वारा इस आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व किया गया। एसबीआई लाइफ द्वारा आयोजित इस चित्रकला प्रतियोगिता समारोह में एलकेजी , एलकेजी क्ल यूकेजी , यूकेजी क्लके बच्चों को सर्टिफिकेट व मेडल द्वारा अभिभावक समेत सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में उपस्थित विद्यालय के डायरेक्टर रोहित शुक्ला ने बताया कि बच्चो के बीच इस तरह से विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होनी चाहिए जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और रचनात्मकता विकसित होती है तथा सभी टॉपर्स को अनंत शुभकामनाएं दी।

इस प्रतियोगिता में उपस्थित विद्यालय की प्रधानाचार्या छवि बाजपेई ने बताया कि प्रतियोगिताएं हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो हमें एक दिन ऊंचाइयों तक ले जाती है , हमें हर बच्चे को प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे उनका आत्म विश्वास और मजबूत होता है तथा उन सभी बच्चों व अभिभावकों को ढेर सारी बधाईयां दी। साथ ही इस आयोजित प्रतियोगिता में क्लास के टीचर्स अमिता, श्रेयांशी, आस्था, आकृति आदि शिक्षिकाओं का भी सफल योगदान रहा है जिससे बच्चे निरन्तर आगे बढ़ रहे हैं। इस आयोजन में आए हुए रायबरेली ब्रांच से सीनियर एसबीआई लाइफ ब्रांच मैनेजर - उपेंद्र सिंह जी द्वारा विद्यालय के निर्देशक रोहित शुक्ला, प्रधानाचार्या छवि बाजपेई, शिक्षिकाएं अमिता, आस्था, श्रेयांशी, आकृति आदि को सम्मान सहित पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी बच्चों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा की बैठक सम्पन्न हुई

महराजगंज रायबरेली। में अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा की बैठक महराजगंज नगर पंचायत सभागार में संपन्न हुई, जिसमें संगठन को मजबूत करने और समाजहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता महराजगंज ब्लॉक अध्यक्ष राम जियावन लोधी ने की। इस अवसर पर जिला संरक्षक संतलाल लोधी, जिला मंत्री शत्रोहन लोधी, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार लोधी और विधानसभा सह-संयोजक/महामंत्री जय सिंह लोधी सहित कई जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया, इसके अतिरिक्त, समाज के कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों की भूमिका को लेकर भी गहन चर्चा हुई। ब्लॉक अध्यक्ष राम जियावन लोधी ने बताया कि लोधी समाज को जागरूक करना उनका प्रमुख कार्य है और वे अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत रहेंगे। इस मौके पर महामंत्री रामराज लोधी, महामंत्री जयकरण लोधी, महामंत्री अवधेश लोधी, संरक्षक राम शरन लोधी, उपाध्यक्ष राम लखन लोधी, उपाध्यक्ष दयाराम लोधी, शोभनाथ लोधी, रामगुलाम लोधी और बनवारी लाल सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

विद्युत मजदूर संगठन ने भरी हुंकार, उत्पीड़न न रुकने पर 'शक्ति भवन' के घेराव की चेतावनी

● .....संविदा कर्मियों की छंटनी और मृतक आश्रितों के हक छीनने पर फूटा आक्रोश; प्रबंधन के 'दमनकारी' रवैये के खिलाफ उग्र आंदोलन की तैयारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हम्बरा अपार्टमेंट में रविवार को विद्युत मजदूर संगठन उ.प्र. की केंद्रीय कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। प्रान्तीय अध्यक्ष विमल चन्द्र पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विद्युत विभाग के कर्मचारियों की लंबित समस्याओं और प्रबंधन द्वारा किए जा रहे कथित उत्पीड़न पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। बैठक में संगठन ने दो टूक चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने अपनी 'कर्मचारी विरोधी' नीतियों में सुधार नहीं किया, तो आगामी दिनों में लखनऊ स्थित शक्ति भवन पर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा।

वरिष्ठ मजदूर नेता आर.एस. राय ने वर्तमान प्रबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान करने के बजाय, प्रबंधन आए दिन नियम विरुद्ध आदेश जारी कर बेगुनाह कर्मचारियों को मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से 25 हजार संविदा कर्मचारियों की छंटनी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों से सेवा दे रहे इन कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखाकर उनके परिवारों को भुखमरी की कगार पर धकेल दिया गया है। राय ने स्पष्ट किया कि संगठन इस अन्याय का पुरजोर विरोध करेगा और बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

वहीं, संगठन के मुख्य महामंत्री ने पावर कॉरपोरेशन द्वारा मृतक आश्रितों के चतुर्थ श्रेणी पद पर सेवायोजन समाप्त किए जाने के निर्णय को 'घातक' करार दिया। उन्होंने तर्क दिया कि कई दिवंगत कर्मचारियों की पत्नियाँ स्नातक नहीं हैं या उनके बच्चे अभी छोटे हैं; ऐसे में पेंशन की सुविधा न होने और रोजगार का हक छीनने से पीड़ित परिवार दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों का बीच सत्र में स्थानांतरण करना इतिहास में पहली बार हो रहा है, जो सरासर उत्पीड़न है।

इस बैठक में आलोक सिन्हा, सैय्यद शोएब हसन, आरसी पाल, बाबू प्रताप सिंह, इंद्रेश राय, अशोक गुप्ता, मोहन बाबू आर्य, एसके सिंह, राजीव रंजन राय, संदीप कुमार, राहुल कुमार, वेद प्रकाश राय, जितेंद्र कुमार, संतोष कुमार, विनोद श्रीवास्तव, अजय भट्टाचार्य, राम चरण, अवनीश श्रीवास्तव, आरिफ वेग, मनीष श्रीवास्तव सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में प्रबंधन से मांग की कि दमनकारी आदेशों को तत्काल वापस लिया जाए, अन्यथा संगठन काम रोको आंदोलन और सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य होगा।

मदरसा अल्लामा फ़ज़ले हक़ खैराबादी मेमोरियल कॉलेज खैराबाद में बच्चों का विदाई समारोह संपन्न

● बच्चों को शिक्षण संस्थाओं में अच्छे संस्कार दिए जाते हैं जिससे वो भविष्य अच्छा बना सकेंः- एहतिशाम आलम प्रिंसिपल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर स्थानीय मदरसा अल्लामा फ़ज़ले हक़ खैराबादी मेमोरियल कॉलेज में सीनियर सेकेंडरी इंटरमीडिए के बच्चों के सम्मान में कक्षा ग्यारह के बच्चों ने विदाई समारोह का आयोजन मदरसे के ग़रीब नवाज़ हाल में आयोजित किया जिसकी अध्यक्षता संस्था संस्थापक काजिम हुसैन ने की जबकि समारोह का संचालन प्रधानाचार्य एहतिशाम आलम ने किया। विदाई समारोह का शुभारंभ तिलावते कुरआन पाक से किया गया तथा संस्था संचालक ने फीता काटकर समारोह कक्ष में प्रवेश किया। इसके बाद बच्चों ने नात शरीफ़ विदाई गीत और अपनी जिंदगी और शिक्षा पर विचार भी व्यक्त किए,इस अवसर पर प्रधानाचार्य एहतिशाम आलम ने संबोधित करते हुए कहा कि बच्चा स्कूल में जब आता है तो उसे अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी दिए जाते जिन्हें ग्रहण करके अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। जबकि समारोह अध्यक्ष काजिम हुसैन ने कहा कि बच्चों ने 12 साल तक शिक्षा ग्रहण करने के बाद आज बच्चे मदरसा से जा रहे हैं उन्होंने क्या सीखा इन सबका इस्तेमाल आगे कैसे करना है इतना लम्बा समय व्यतीत करने के बाद जब आप जाएंगे तो ऐसा लगता है कि अपने घर का कोई बच्चा विदा हो रहा है इस लिए तकलीफ़ तो होती है लेकिन आगे की शिक्षा हासिल करने के लिए तो आगे जाना ही होगा इसके बाद बच्चों को और शिक्षकों को सम्मान स्वरूप प्रतीक चिन्ह भी दिए गए। ज्ञात हो कि कल 9 फरवरी से मदरसा शिक्षा परिषद की वार्षिक परीक्षाएं प्रारम्भ हो रही हैं इस लिए आज कक्षा 12 के बच्चों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया था बच्चों ने संस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए इस अवसर पर सभी बच्चियों की आंखों में आंसू भरे हुए थे और अपने बीते हुए समय को याद कर रही थीं समारोह में मदरसा प्रबंधक के अलावा सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थीं जबकि हाफ़िज़ मुशीर अहमद, मोहम्मद जुनेद, निकहत जहां, ज़किया बेगम, रुबीना परवीन, अकील अहमद का सहयोग रहा। अन्त में कक्षा 12 और कक्षा 11 की कक्षाध्यापिका ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सीएम योगी के आगमन पर सीतापुर नो-फ्लाइंग जोन घोषित, ड्रोन, गुब्बारे और पतंग उड़ानें पर दो दिन की पाबंदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में 9 फरवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। जिलाधिकारी राजा गणपति आर ने जिले को दो दिनों के लिए नो फ्लाइंग जोन घोषित किया है। यह आदेश रविवार से प्रभावी होकर सोमवार शाम कार्यक्रम के समापन तक लागू रहेगा। इस दौरान जिले में ड्रोन उड़ाने के साथ-साथ गुब्बारे और पतंग उड़ाने पर भी पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। मालूम हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शहर के शास्त्री नगर कॉलोनी स्थित तपोधाम आश्रम में आयोजित गोरखनाथ प्रतिमा स्थापना दिवस कार्यक्रम में शिरकत करने आ रहे हैं। कार्यक्रम घनी आबादी वाले क्षेत्र में आयोजित हो रहा है, जिसको देखते हुए प्रशासन और पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रहे हैं। किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए हर स्तर पर निगरानी की जा रही है शनिवार देर शाम आईजी जोन लखनऊ किरण एस ने भी कार्यक्रम स्थल और आसपास के इलाकों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने सभी इंतजाम समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के आगमन के लिए जीआईसी मैदान में हेलीपैड बनाया गया है। यहां से कार्यक्रम स्थल तक लगभग दो किलोमीटर लंबा ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया जाएगा जिससे मुख्यमंत्री का काफिला सुरक्षित रूप से कार्यक्रम स्थल तक पहुंच सके। प्रशासन की ओर से बताया गया है कि नो फ्लाइंग जोन के दौरान किसी भी प्रकार की उड़ने वाली वस्तु पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम स्थल के आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी पुलिस ड्रोन के माध्यम से निगरानी कर रही है। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई है और सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। कुल मिलाकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रही है!!

भैंस चोरी का खुलासा, चोर गिरफ्तार

भदोही। थाना ज्ञानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कलियापुर से चोरी हुई भैंस के मामले में ज्ञानपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की भैंस बरामद कर ली है। ग्राम कलियापुर पीपरगांव निवासी दिवाकर पुत्र शोभनाथ गौतम की तहरीर पर दर्ज मुकदमा मु0अ0सं0 30/26 धारा 303(2) बीएनएस के अनावरण में, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में 07 फरवरी 2026 को कार्रवाई की गई। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सुकुरु नट पुत्र मेवा नट निवासी पुरेउचितपुर बेजवां, थाना औराई को उसके घर से गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से एक अदद भैंस बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना स्वीकार की, जिसके बाद मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रामधनी यादव, हेड कांस्टेबल निरंजन मौर्य एवं कांस्टेबल मारुतिनंदन दुबे शामिल रहे।

खेत विवाद पर किसान पर दबंगों का हमला लाठी डंडों से पीटा, सिर में आई गंभीर चोटे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में दबंगों द्वारा जबरन खेत को ठेके पर लेकर कब्जा करने की नीयत से खेत मालिक को बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। पिटाई से युवक बेहद गंभीर घायल हो गया। घटना थाना मछरेहटा क्षेत्र के भिठारा गांव की है। पीड़ित किसान अनिल अवस्थी ने मामले की शिकायत पुलिस से की है घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है पीड़ित अनिल अवस्थी के अनुसार वह सुबह अपने खेत में जोताई का काम कर रहा था। इसी दौरान गांव के ही दूसरे गांव कुछ दबंग वहां पहुंचे और खेत को ठेके पर देने की बात कहकर जबरन खेत पर कब्जा करने की नीयत से गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दबंगों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया हमला इतना बेरहमी से किया गया कि किसान गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही गिर पड़ा ग्रामीणों ने किसी तरह बीच-बचाव कर घायल किसान को दबंगों के चंगुल से छुड़ाया और तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए इलाज शुरू किया। फिलहाल किसान का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही थाना मछरेहटा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अन्य आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि खेत को लेकर पहले से ही विवाद चला आ रहा था, जिसको लेकर कई बार कहासुनी भी हो चुकी थी। रविवार को यह विवाद हिंसक रूप ले बैठा। प्रभारी निरीक्षक प्रभात कुमार का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और तहरीर मिलने के उपरांत दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी!!

युवक का मिला अधजला शव इलाक़े में फैली सनसनी, अभी मौत की वजह नहीं पता, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर अटरिया थाना इलाके के अलबदा गांव के बाहर एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक युवक का अधजला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव निवासी विमलेश उर्फ मनू (32 वर्ष) के रूप में हुई है। युवक का शव उसके टीनशेड वाले घर से करीब 100 मीटर दूर पुआल और लिपलिट्स की पत्तियों के बीच पड़ा मिला। बताया जाता है कि विमलेश गांव के बाहर टीनशेड डालकर अकेले रहता था। उसके साथ परिवार का कोई सदस्य नहीं रहता था। रविवार सुबह करीब 9 बजे ग्रामीणों की नजर खेत की ओर पड़ी, जहां पुआल के बीच अधजली हालत में शव देखा गया इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को घेराबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए और आसपास के क्षेत्र की बारीकी से जांच की। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस संबंध में सीओ सिधौली कपूर कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला अत्यधिक ठंड के कारण अलाव जलाने से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार मृतक शराब का आदी था आशंका जताई जा रही है कि शराब के नशे में वह अलाव के पास सो गया होगा और आग की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। यह भी देखा जा रहा है कि घटना दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य कारण तो नहीं है आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और मृतक की गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल गांव में घटना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी!!

संक्षिप्त खबरें

गंगा के प्रति राष्ट्र का उत्तरदायित्व निभाना हर नागरिक का धर्म : रमाशंकर तिवारी

बलिया जिले के कदम चौराहा स्थित राम मंदिर परिसर में 'गंगा के प्रति राष्ट्र का उत्तरदायित्व' विषय पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गंगा मुक्ति अभियान के प्रणेता रमा शंकर तिवारी ने कहा कि मां गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखने के लिए भगीरथ प्रयास सदैव होते रहे हैं और आगे भी इन्हें और व्यापक रूप देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की आस्था, संस्कृति और जीवन पद्धति की प्रतीक हैं, इसलिए उनका संरक्षण राष्ट्रव्यापी दायित्व है। रमा शंकर तिवारी ने गंगा को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता पर जोर देते हुए कहा कि जब तक आमजन स्वयं आगे नहीं आएंगे, तब तक गंगा की वास्तविक मुक्ति संभव नहीं है। उन्होंने गंगा तटवर्ती क्षेत्रों में स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त अभियान और जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। संगोष्ठी में डॉ. कमलाकर तिवारी, डॉ. जनार्दन राय, ऋषि राजेश्वर द्विवेदी और दिनेश मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए गंगा संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गंगा भक्त, सामाजिक कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में सभी ने मां गंगा को निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

ठंड से बचने को जलाया अलाव, चिंगारी से लगी बिस्तर में आग, फिरोजाबाद में जिंदा जला वृद्ध

फिरोजाबाद। अलाव की चिंगारी से बिस्तर में आग लगने से वृद्ध की जिंदा जलकर मृत्यु हो गई। वह सांस के मरीज होने के साथ कमजोरी के कारण उठने-बैठने में असमर्थ थे। शनिवार सुबह सात बजे लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। आगरा में फतेहाबाद के गावं रूपपुर निवासी 60 रामदास एक वर्ष से स्वर्गाश्रम में रहते थे। उन्होंने राधाकृष्ण मंदिर के के पास में कुटिया बना ली थी। वह पांच दिनों से बीमार थे। कमजोरी के कारण उठ-बैठ भी नहीं पा रहे थे। शुक्रवार रात उन्होंने ठंड की वजह से बिस्तर के पास में ही अलाव जलाया था। आशंका है कि रात में अलाव से उठी चिंगारी किसी तरह बिस्तर तक पहुंच गई। जिससे आग लग गई और उनकी जलकर मृत्यु हो गई। सांस का मरीज होने के कारण वह बचाव के लिए गुहार भी नहीं लगा सके। शनिवार सुबह मंदिर पहुंचे लोगों ने कुटी में जला हुआ शव देखा तो पुलिस को सूचना दी थी। इधर कुछ क्षेत्र में आग साजिश के तहत लगाए जाने की चर्चा भी रही। लोगों का कहना था कि पुलिस को इस एंगल से भी जांच करनी चाहिए। थानाध्यक्ष रमित आर्या ने बताया कि कुटी में वृद्ध के कपड़ा और अन्य सामान भी जल गए थे। सोफीपुर में रहने वाला उनका बेटा विष्णु मौके पर आ गया था। इसके बाद उनके अन्य स्वजन को भी सूचना दी गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली आने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों के समय में सुधार, देरी से चल रही लोकल ट्रेनें

नई दिल्ली। मौसम में सुधार के साथ ही लंबी दूरी के यात्रियों की परेशानी भी कम हो रही है। कुछ ट्रेनों को छोड़कर लंबी दूरी की अधिकांश ट्रेनें समय पर या एक घंटे से कम देरी से चल रही हैं। पिछले दिनों 20 से 50 ट्रेनें दो घंटे से अधिक देरी से दिल्ली पहुंच रही थी। वहीं, रविवार सुबह दो घंटे से अधिक देरी से चलने वाली ट्रेनों की संख्या 10 से भी कम रही। बरौनी-नई दिल्ली हमसफर विशेष सवा छह घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर विशेष छह घंटे और बनारस-नई दिल्ली महामना एक्सप्रेस चार घंटे के देरी से चल रही हैं। किसी भी ट्रेन के प्रस्थान समय में बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, दैनिक यात्रियों की परेशानी बनी हुई है। रविवार सुबह जाखल-पुरानी दिल्ली पैसेंजर व जींद-पुरानी दिल्ली पैसेंजर सवा घंटे, कुरुक्षेत्र-हजरत निजामुद्दीन एमईएमयू एक घंटे, पानीपत-पुरानी दिल्ली ईएमयू, सहारनपुर-पुरानी दिल्ली एमईएमयू, मथुरा-गाजियाबाद ईएमयू, कुरुक्षेत्र-पुरानी दिल्ली ईएमयू, बल्लभगढ़-शकूरबस्ती ईएमयू, दनकौर- शकूरबस्ती ईएमयू व बुलंदशहर-तिलक ब्रिज एमईएमयू 45 मिनट और गाजियाबाद-पुरानी दिल्ली ईएमयू, रेवाड़ी-पुरानी दिल्ली पैसेंजर, अलीगढ़-पुरानी दिल्ली ईएमयू व जींद-नई दिल्ली एमईएमयू आधे घंटे के देरी से चल रही हैं।

अपनी ही कोम के खून से खेल रहा इस्लामिक स्टेट, इस्लामाबाद को धमाकों से दहलाने की ली जिम्मेदारी

● आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के क्षेत्रीय सहयोगी संगठन 'इस्लामिक स्टेट इन पाकिस्तान' ने शनिवार को इस्लामाबाद में एक शिया मस्जिद में हुये भयावह विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। इस बीच, विस्फोट के एक साजिशकर्ता समेत चार लोगों को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से गिरफ्तार किया गया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकिस्तान की सेना ने कहा है कि उसने शुक्रवार को इस्लामाबाद मस्जिद में हुए जानलेवा बम धमाके में हमलावर की मदद करने वाले चार 'मददगारों' को गिरफ्तार किया है। सीमा पार हमलों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच अधिकारी सुरक्षा अभियान तेज कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को राजधानी में हजारों लोग हमले के पीड़ितों को दफनाने के लिए इकट्ठा हुए। इस हमले में कम से कम 32 नमाजियों की मौत हो गई और 170 अन्य घायल हो गए।

आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के क्षेत्रीय सहयोगी संगठन 'इस्लामिक स्टेट इन पाकिस्तान' ने शनिवार को इस्लामाबाद में एक शिया मस्जिद में हुये भयावह विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। इस बीच, विस्फोट के एक साजिशकर्ता समेत चार लोगों को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से गिरफ्तार किया गया है। पेशावर के रहने वाले 32 वर्षीय आत्मघाती हमलावर यासिर ने शुक्रवार को इस्लामाबाद के उपनगर तारली स्थित शिया मस्जिद में घुसकर आत्मघाती विस्फोट किया। घटना के समय लोग वहां नमाज अदा कर रहे थे। शुरुआत में 31 लोगों की मौत हुई और 169 घायल हुए, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि अस्पतालों में कुछ गंभीर रूप से घायल लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 36 हो गई है।

इस्लामिक स्टेट अथवा दाएश की एक शाखा, 'इस्लामिक स्टेट इन पाकिस्तान' ने अपनी अमाक न्यूज एजेंसी पर एक बयान में इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि जब सुरक्षा गार्ड ने उसे गेट पर रोकने की कोशिश की तो हमलावर ने उन पर गोली चलाई और मस्जिद के अंदर नमाजियों के निकट विस्फोट कर दिया।

इस बीच, पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने हमले के मुख्य साजिशकर्ता समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां खुफिया जानकारी के आधार पर खैबर पख्तूनख्वा से की गयी है। सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ किया जा रहा है, क्योंकि यह स्पष्ट हो गया है कि आत्मघाती हमलावर अफगानिस्तान जाता था और वहां से प्रशिक्षण प्राप्त करता था।

दिल्ली की पीरागढ़ी में एक कार में मिले तीन शव, मृतकों में दो पुरुष और एक महिला शामिल; सामूहिक आत्महत्या की आशंका

नई दिल्ली। दिल्ली के पीरागढ़ी फ्लाईओवर पर एक खड़ी कार में तीन लोगों के शव मिलने की घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। कार के अंदर दो पुरुष और एक महिला के शव बरामद हुए हैं। शवों पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले हैं, और सभी कीमती सामान भी मौजूद पाए गए हैं।

मृतकों की पहचान निम्नलिखित रूप में हुई...

रणधीर (62 वर्ष) - कार उनके नाम पर रजिस्टर्ड थी।

शिवनरेश (42 वर्ष)

लक्ष्मी (40 वर्ष)

रणधीर और शिवनरेश रणहौला के निवासी थे, जबकि लक्ष्मी जहांगीरपुरी की रहने वाली थीं।पुलिस ने मौके पर फोरेंसिक टीम के साथ जांच शुरू कर दी है और मामले की गहन छानबीन में जुटी हुई है। अभी तक कोई अन्य संदिग्ध परिस्थिति सामने नहीं आई है।

सीसीबरगांव में जोर पर है चुनावी माहौल, गीतार्थ गोस्वामी ने चाउरेन में किया पूजा कर लिया आशीर्वाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। 2026 के असम विधानसभा चुनाव के दिन जितने नजदीक आ रहे हैं चुनावी माहौल उतनी ही ज्यादा गर्म होते हुए दिखाई दे रही है। विपक्ष हो या सत्ता में बसे भाजपा दल के टिकट के प्रत्याशी सभी ने कमर कस ली है मंदिर तथा धर्मियों अनुष्ठान में अपने समर्थकों लेकर आशीर्वाद लेने के लिए भागदौड़ में है। नवगठित 79 नंबर सिसीबरगांव चुनावी क्षेत्र के भाजपा दल के अन्यतम एक टिकट के प्रत्याशी गीतार्थ गोस्वामी ने सिलापथार ताई आहूम लोगों की आराधना स्थल चाउरेन में अपने मनोकामना पूर्ण के लिए जेसिंगफा पूजा करवाया। गोस्वामी ने ताई परम्परा अनुसार मांगलिक पूजा की एवं चुनावी क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से उपस्थित मूलुंगो सहित आई मातृओ से आशीर्वाद ली।

गोस्वामी सिलापथार घारमरा आदर्श सत्र के सत्राधिकारी प्रेम कृष्ण देव गोस्वामी के पुत्र एवं असम सरकार के खेल एवं युवा कल्याण परिषद के सलाहकार समिति के सदस्यों सचिव के अलावा असम एटलेटिको संस्था के सचिव मुख्यमंत्री के करीबी। उन्होंने गत दो दशक से अधिक समय राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े हुए हैं। मीडिया को दिए एक टिप्पणी में उन्होंने कहा भाजपा दल के शीर्ष नेतृत्व ने किसको टिकट देना है वह निर्धारित करेगा। अगर दल ने मुझे दायित्व दे तो में लोगों की सेवा के लिए चुनाव लड़नें के लिए प्रस्तुत हूँ।

क्रिकेट मुकाबले में आईएमए फाइनेंस ने आईएमए साइंटिफिक को हराया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), कानपुर शाखा द्वारा रविवार 8 फरवरी 2026 को टीएसएच ग्राउंड, बृजेंद्र स्वरूप पार्क, आर्य नगर, कानपुर में आयोजित मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन खेल भावना एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह मुकाबला आईएमए साइंटिफिक एवं आईएमए फाइनेंस टीमों के बीच खेला गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे हुआ। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. साकेत निगम, अध्यक्ष, इंडियन रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन, कानपुर आईएमए कानपुर के अध्यक्ष डॉ. अनुराग मेहरोत्रा, डॉ पंकज गुलाटी पूर्व अध्यक्ष, डॉ नीलम मिश्रा पूर्व अध्यक्ष डॉ ब्रजेन्द्र शुक्ला पूर्व अध्यक्ष स्पोर्ट्स सेक्रेटरी डॉ. विकास श्रीवास्तव, सचिव डॉ. शालिनी मोहन, विशाल सिंह, वित्त सचिव,डॉ अमित सिंह गौर एवं डॉ दीपक श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

आईएमए साइंटिफिक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 25 ओवर में 165 रन (8 विकेट) बनाए। टीम की ओर से डॉ. सौरभ ने शानदार 53 रन की पारी खेली। इसके अतिरिक्त अभिनव सेंगर (26 रन) एवं दीपक श्रीवास्तव (14 रन) का योगदान सराहनीय रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए आईएमए फाइनेंस टीम ने 24.3 ओवर में 167 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। टीम की जीत में राघव रस्तोगी की बेहतरीन 56 रनों की पारी निर्णायक रही। वहीं डॉ. विकास श्रीवास्तव ने केवल 7 गेंदों पर 20 रन बनाकर मैच को रोमांचक अंदाज़ में समाप्त किया। मैच के उपरांत दोपहर 3:30 बजे पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

CISF में संविदा पर तैनात ड्राइवर के पैर में चाकू मारकर लूट, नरेला में दो बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम

दिल्ली। सीआईएसएफ में संविदा पर कार्यरत एक चालक पर चाकू से हमला कर लूटपाट का मामला सामने आया है। नरेला थाना क्षेत्र स्थित दो बदमाशों ने बृहस्पतिवार शाम वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर नरेला थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से आरोपितों का पता लगाने में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित 23 वर्षीय शेख तालिबान मूलरूप से बिहार के सारण जिला के गोला मुबारकपुर का रहने वाला है। पुलिस को दिए बयान में शेख ने बताया कि वह नरेला स्थित हिंद अपार्टमेंट में सीआईएसएफ कैंप में अपने दोस्त के साथ रहता है। सीआईएसएफ में संविदा पर चालक की नौकरी करता है। पांच फरवरी शाम पांच बजे वह अपने साथी रोहित के साथ हिंद अपार्टमेंट के पार्क में से होते हुए कैंप में जा रहे थे। जब हम पार्क के बीच में पहुंचे तो दो युवक आए, उनमें से एक युवक ने चाकू दिखाया। दूसरे ने जबरन उनकी जेब से मोबाइल फोन व तीन हजार रुपये निकाल लिए। विरोध करने पर चाकू लिए युवक ने उनके बाएं पैर में चाकू मार दिया। शोर मचाने पर मोबाइल फोन वहीं फेंक दिया। जबकि तीन हजार रुपये लेकर भाग गए। दोस्त रोहिणी ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें तुरंत राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से आरोपितों का पता लगाने में जुटी हुई है।

बलिया में फिल्म के नाम को लेकर विरोध, 'घूसखोरी पंडित' को बैन करने की उठी मांग

● बलिया में फिल्म के नाम को लेकर विरोध, 'घूसखोर पंडित' को बैन करने की उठी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया में प्रस्तावित फिल्म 'घूसखोर पंडत' के नाम को लेकर लोगों में तीखा आक्रोश देखने को मिला। शहर के कदम चौराहा स्थित छोटी मठिया पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए और फिल्म के शीर्षक को समाज विशेष की छवि धूमिल करने वाला बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज या वर्ग को निशाना बनाकर फिल्म बनाना निंदनीय है और इससे सामाजिक सौहार्द प्रभावित होता है। पूर्व बैंक कर्मचारी अशोक मिश्रा ने कहा कि इस तरह की फिल्में समाज में वैमनस्य फैलाने का कार्य करती हैं, इसलिए सरकार को बिना देर किए इस पर रोक लगानी चाहिए।

श्याम सुंदर चौबे ने कहा कि किसी भी समाज या वर्ग की छवि खराब करने का अधिकार बॉलीवुड को किसी ने नहीं दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर किस उद्देश्य और भावना से फिल्म का नाम किसी समाज विशेष को बदनाम करने के लिए रखा गया है। इसी क्रम में पंडित अवनींद्र चतुर्वेदी ने कहा कि ऐसे शीर्षक वाली फिल्मों से आने वाली पीढ़ियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और जातीय द्वेष को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि ऐसी फिल्मों पर कड़ी निगरानी रखी जाए और आवश्यकता पड़ने पर इन्हें प्रतिबंधित किया जाए। पंडित जितेंद्र चतुर्वेदी ने फिल्म के निर्माता से ब्राह्मण समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और फिल्म को तत्काल बैन करने की मांग उठाई।

विरोध प्रदर्शन में बृजेश पांडे, दीपक तिवारी, अजीत पांडे, ईलू पांडे, अखिलेश तिवारी, मनीष चतुर्वेदी, राकेश विक्रम सिंह, रजनीश उपाध्याय, पशुपति गुप्ता सहित अनेक लोगों ने एक स्वर में फिल्म के खिलाफ सहमति जताई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

स्मार्ट फोन से घर बैठें बनाए आयुष्मान कार्ड

● प्रत्येक कार्डधारक को हर साल पांच लाख तक के इलाज का मिलता लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। क्या आप आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थी हैं, और आपने अभी तक अपना आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाया है, तो आपको इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। अब आप घर बैठे ही अपने स्मार्ट फोन से अपना आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। इस कार्ड के माध्यम से कार्डधारक देश के किसी भी सरकारी अथवा सूचीबद्ध निजी अस्पताल से प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक के इलाज की सुविधा पा सकता है। इस योजना के अंतर्गत कुल 2,250 बीमारियां शामिल हैं। इसमें मातृ स्वास्थ्य और प्रसव या उच्च जोखिम प्रसव की सुविधा, नवजात और बच्चों के स्वास्थ्य स्वास्थ्य, कैंसर, टीवी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी, हार्ट बाईपास सर्जरी, न्यूरो सर्जरी, आंखों की सर्जरी, दिल की बीमारी, किडनी, लीवर, कोरोनरी बाईपास, घुटना प्रत्यारोपण, स्टंट डालना, आंख, नाक, कान और गले से संबंधित बीमारियां, डायरिया, मलेरिया आदि शामिल है।

इस तरह से बनाएं कार्ड सीएमओ डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि लाभार्थी को सबसे पहले httpsÑ//beneficiary.nha.gov.in/ साइट पर जाना होगा। दाहिनी तरफ लाभार्थी विकल्प को टिक करके अपना मोबाइल नंबर डालें और वेरीफाई पर क्लिक करें, वेरिफाई करते ही आपके मोबाइल नं. पर आए हुए ओटीपी को डालकर साथ ही दिए गए कैप्चा को डालते हुए लॉग इन करें। लॉगइन होने के बाद स्क्रीन में राज्य का नाम, योजना का नाम, अपने जनपद को चुने। सर्च बाई के विकल्प में प्रदर्शित फैमिली आईडी को चुने। जिसके बाद फैमिली आईडी के विकल्प में राशन कार्ड संख्या या पीएम लेटर का एचएचआईडी नं. डालें और बॉक्स में दाहिनी तरफ दिए गए आइकन को क्लिक करें। यदि परिवार योजना के तहत पात्रता रखता है तो परिवार के सभी सदस्यों की सूची खुल जाएगी। यदि परिवार के योजना के तहत पात्रता नहीं रखता है तो स्क्रीन पर 'नो बेनिफिशियरी फाउंड' सन्देश आएगा।

जिस व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनाना है उस सदस्य के सामने दिए गए आइकन पर क्लिक करें, उसके बाद एक बॉक्स खुलेगा, जिसमें आधार संख्या के सामने 'वेरिफाई' पर क्लिक करें। लाभार्थी के आधार कार्ड से लिंक मोबाइल पर प्राप्त 'ओटीपी' को डालें। जिसके बाद 'कंसेन्ट फॉर्म' का बॉक्स खुलेगा, बॉक्स में सबसे नीचे दिए गये विकल्प पर टिक करें और बॉक्स के दाहिने ओर 'अलाउ' बटन पर क्लिक करें। एक बॉक्स खुलेगा जिसमें 'आथेंटिक' बटन पर क्लिक करें। उसके बाद अगली सक्रीन पर लाभार्थी का नाम नीले बॉक्स में प्रदर्शित होगा। बॉक्स के नीचे ई-केवाईसी आधार ओटीपी चुने और वेरिफाई पर क्लिक करें। ओटीपी डालने के बाद फिर से 'कंसेन्ट फॉर्म' का बॉक्स खुलेगा, बॉक्स में सबसे नीचे दिए गये विकल्प पर टिक करें और बॉक्स के दाहिने ओर 'अलाउ' बटन पर क्लिक करें। लाभार्थी से संबंधित सूचना एवं फोटो खुल जाएगी। पेज के दाहिनी तरफ कैप्चर फोटो को नीचे दिए गए आइकन पर क्लिक कर मोबाइल के कैमरे के माध्यम से लाभार्थी की फ़ोटो कैप्चर कर 'प्रोसीड' बटन पर क्लिक करें। पेज में दिए गए एडिशनल इंफॉर्मेशन में सबसे पहले मोबाइल नंबर पर 'नो' का विकल्प चुनते हुए लाभार्थी की अन्य सूचना भरें और 'सबमिट' बटन पर क्लिक करें। फोटो के नीचे दिए गए मैचिंग स्कोर 80 फीसद से अधिक होने पर बॉक्स खुलेगा, जिसमें 'ओके' बटन पर क्लिक करके आयुष्मान कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। डाउनलोड किए गए कार्ड को लाभार्थी प्रिन्ट कर सकते हैं या मोबाइल पर सेव कर सकते हैं।

आयुष्मान कार्ड से यह मिलता लाभ

योजना के जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अभिज्ञान सिंह ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत आयुष्मान कार्ड बनाए जाते हैं। इस कार्ड के माध्यम से लाभार्थी देश भर में पंजीकृत किसी भी अस्पताल में भर्ती होकर प्रति वर्ष पांच लाख रुपए तक का अपना उपचार करा सकता है। उन्होंने योजना के सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वह अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लें और शहर से बाहर जाने पर उसे सदैव अपने पास ही रखें, जिससे किसी भी विशेष परिस्थिति में उसका उपयोग किया जा सके।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष सात दिवसीय शिविर के छठे दिन प्रभात फेरी, खेलकूद प्रतियोगिताएँ एवं व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवाँ/सीतापुर नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय, टिकरा बिसवाँ, सीतापुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स) इकाई द्वारा आयोजित विशेष सात दिवसीय शिविर के छठे दिन रविवार को जागरूकता, खेलकूद एवं बौद्धिक गतिविधियों से जुड़े विविध कार्यक्रम संपन्न हुए। यह शिविर 03 फरवरी 2026 से 09 फरवरी 2026 तक ग्राम पंचायत टिकरा स्थित पंचायत भवन में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के छठे दिन प्रातःकाल स्वयंसेवकों द्वारा चयनित ग्राम पंचायत टिकरा में प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी के माध्यम से ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया। इसके उपरांत स्वयंसेवकों ने सामूहिक व्यायाम कर अनुशासन एवं शारीरिक सुदृढ़ता का संदेश दिया। इसके बाद ग्राम के बच्चों के साथ मिलकर खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कबड्डी, रस्साकशी, लंबी कूद, ऊँची कूद एवं क्रिकेट मैच जैसी प्रतियोगिताएँ शामिल रहीं। प्रतियोगिताओं में बच्चों एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खेल भावना का परिचय दिया। शाम के सत्र में समाजसेवी डॉ. चंद्रशेखर जी द्वारा व्यक्तित्व विकास विषय पर प्रेरक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य युवाओं का सर्वांगीण विकास करना है। एनएसएस के माध्यम से युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व एवं सामाजिक दायित्व की भावना विकसित होती है।

विशेष शिविर के दलनायक मनीष वर्मा के कुशल नेतृत्व में शिविर की गतिविधियाँ सुव्यवस्थित रूप से संचालित की जा रही हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राहुल वर्मा, पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. शिवाशु राठौर, ओम प्रकाश, अमित वर्मा सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण डॉ. मनीष वर्मा, डॉ. वकार अहमद, डॉ. महक, डॉ. कोमल वर्मा एवं प्रदीप वर्मा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एसआईआर की गड़बड़ियों पर भड़की सपा, राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में एस आई आर मे हो रही गड़बड़ियों, जनपद की कानून व्यवस्था तथा गन्ना किसानों की समस्याओं का समधान न होने पर नाराजगी जताते हुये समाजवादी पार्टी ने स्थानीय प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन भेजकर तत्काल कार्यवाही की मांग किया है। शास्त्री चौक पर इकट्ठा हुये पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अगुवाई में कलेक्ट्रेट पहुचे और राज्यपाल को सम्बोधित 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में एसआईआर के तहत बाहरी व फर्जी व्यक्तियों द्वारा फार्म-7 में मतदाताओं के नाम व इपिक नम्बर प्रिण्ट, कराकर बीएलओ को जमा करने हेतु दबाव बनाने लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की गई है। ज्ञापन के माध्यम से जनपद मे लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था, थानो पर मची लूट, चोरी, हत्या, महिलाओं, बच्चियों पर हो रहे अत्याचार, मारपीट की घटनाओं, अवैध खनन, यूरिया के बोरियों का वजन घटाये जाने, वाल्मटरगंज चीनी मिल कर्मियों के बकाया भुगतान, विद्युत विभाग के संविदा कर्मियों की छटनी पर सवाल खड़े किये गये। वन विहार में संत रविदास की प्रतिमा लगाने की मांग की गई।

कप्तानगंज विधायक कविन्द्र चौधरी ने कहा मांग पत्र का सही समय पर निस्तारण न होने की दशा में पार्टी धरना प्रदर्शन को मजबूर होगी। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, राजाराम यादव, मो. स्वाले, सुरेन्द्र सिंह छोटे, सौरभ मिश्रा, जावेद पिंडारी, गुलाब चन्द सोनकर, एबादुल हक, मो. युनुस आलम, प्रशांत यादव, विजय विक्रम यादव, गजानन्द यादव, शंकर यादव, मो. सलीम, रामसिंह यादव, प्रमोद यादव, जमील अहमद, गुलाम गौस, ज्ञानचन्द्र चौधरी, अजय यादव, गीता भारती, विजय लक्ष्मी, मंशाराम कनौजिया, अखिलेश यादव, राहुल सिंह, डा. रामप्रकाश सुमन, हनुमान चौधरी, तूफानी यादव, श्यामसुन्दर यादव, संजय गौतम, रजनीश यादव, रहमान सिद्धीकी, जहीर अहमद, कुलदीप मौर्य आदि मौजूद रहे।

डीटीसी कर्मचारियों-पेंशनभोगियों को राहत, दिल्ली सरकार ने 1,200 करोड़ का अनुदान किया मंजूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के हजारों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत देने के अलावा आधुनिक तकनीक से यातायात को सुगम बनाने के लिए 1,200 करोड़ रुपये के अनुदान को मंजूरी दी है। इस राशि का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित होगा। इस राशि को मंजूरी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह केवल सरकारी अनुदान नहीं है, बल्कि अपने उन कर्मचारियों के प्रति सम्मान और आभार है जो हर मौसम में दिल्ली को थमने नहीं देते। हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि हमारे बुजुर्ग पेंशनभोगियों को कभी अपनी मेहनत की कमाई के लिए इंतजार न करना पड़े।

सरकार द्वारा जारी किए गए 1,200 करोड़ रुपये के अनुदान में से 1,100 करोड़ रुपये सीधे तौर पर कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन, पेंशन और अन्य देयताओं के लिए आवंटित किए गए हैं। कर्मचारी कल्याण के साथ-साथ, परिवहन व्यवस्था के आधुनिकीकरण के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। इसके तहत दो महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजनाओं पर काम होगा। इनमें एडवांस्ड ट्रैफिक सिस्टम (एटीएस): यातायात को सुगम बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग और राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के अंतर्गत कमर्शियल ई-व्हीकल चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास शामिल है।